वर्ष : 33 » अंक : 223 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, मंगलवार, 29 अक्टूबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

महाराष्ट्र का रण

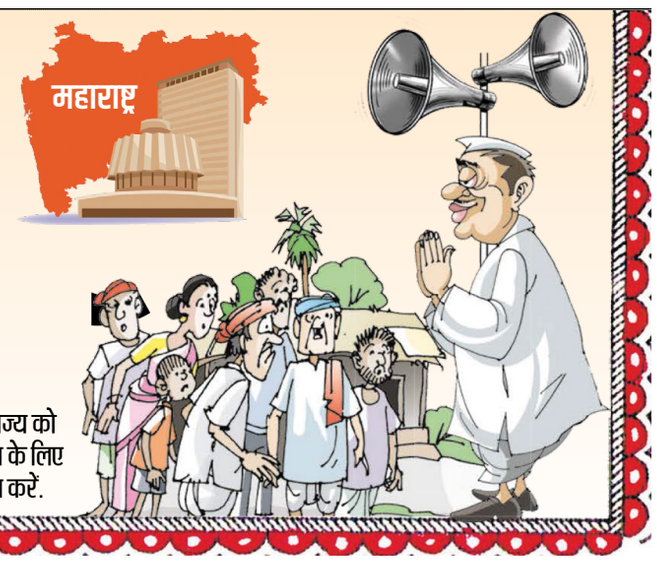

मतदाताओं से अपील

विधानसभा चुनाव आपके लिए एक अवसर है राज्य को गढ़ने का-संवारने का. आपसे अपील है कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खुद मतदान जरूर करें और सगे-संबंधियों को भी प्रेरित करें.

नामांकन में शक्ति प्रदर्शन

महाराष्ट्र में आज यानी मंगलवार को नामांकन की आख़िरी तारीख़ है और उससे पहले सोमवार को प्रमुख नेताओं ने पर्चे भरे। बारामती सीट को जहां पवार परिवार ने फिर दिलचस्प बना दिया है, तो मानख़ुर्द सीट भी खूब चर्चा में है। कोई किंगमेकर बनने का दावा कर रहा है तो कोई वोट जिहाद की राजनीति का आरोप लगा रहा है। नामांकन की शक्ति प्रदर्शन रैलियों में हाई-वोल्टेज बयान खूब गूंजे।

बारामती सीट

इमोशनल दांव के साथ अजित का नामांकन

मुंबई। महाराष्ट्र के डेप्युटी सीएम अजित पवार ने अपने ही चाचा शरद पवार पर परिवार में फूट डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि शरद पवार ने उनके खिलाफ बारामती सीट से परिवार के ही एक सदस्य को खड़ा करके 'निम्न स्तर की राजनीति' की है। सोमवार को बारामती विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए अजित पवार भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी अपनी गलती मानी थी, लेकिन लगता है कि अब गलती दूसरे कर रहे हैं।

'साहेब ने परिवार में फूट डाली'

उन्होंने आगे कहा कि मेरी मां ने मेरा बहुत साथ दिया और उन्होंने तो यहां तक कहा कि उन्हें (शरद पवार गुट) अजित पवार के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारना चाहिए। लेकिन, मुझे बताया गया कि साहेब (शरद पवार) ने मेरे खिलाफ किसी को नामांकन दाखिल करने का निर्देश दिया है । साहेब ने परिवार में फूट डाली है। भावुक होते हुए डेप्युटी सीएम ने कहा कि मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि राजनीति को इतने निचले स्तर पर नहीं लाना चाहिए, क्योंकि परिवार को एक होने में पीढ़ियां लग जाती हैं और परिवार को तोड़ने में एक पल भी नहीं लगता।

अजित का मुकाबला भतीजे से

अजित पवार का मुकाबला उनके भतीजे और शरद पवार के पोते युगेंद्र पवार से है। डेप्युटी सीएम ने पहले स्वीकार किया था कि बारामती लोकसभा सीट से अपनी पत्नी सुनेत्रा को अपनी चचेरी बहन और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ उतारने का उनका फैसला गलत था। इस बीच, युगेंद्र पवार ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान शरद पवार और सुप्रिया सुले उनके साथ थे। पवार सीनियर ने अपने पड़पोते युगेंद्र पवार का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि जनता नई पीढ़ी के नेतृत्व के साथ है।

युगेंद्र का नामांकन पत्र दाखिल कराने आए शरद पवार

मीडिया से बात करते हुए शरद पवार ने कहा था कि आज हम यहां बारामती के युवा उम्मीदवार युगेंद्र पवार का नामांकन पत्र दाखिल करने आए हैं। उन्होंने विदेश में पढ़ाई की है, उच्च शिक्षित हैं और प्रशासन और चीनी से जुड़े व्यवसाय से वाकिफ हैं। पार्टी ने एक नौजवान को मौका दिया है। मुझे यकीन है कि बारामती की जनता इस नई पीढ़ी और नए नेतृत्व को स्वीकार करेगी और उन्हें अपना पूरा समर्थन देगी।

कोपरी पाचपाखाड़ी

CM एकनाथ शिंदे ने भरा नामांकन

इस वक्त महाराष्ट्र का सियासी पारा हाई है। नामांकनों की कतार में सबसे प्रमुख रहे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, ठाणे में महारैली करते हुए कोपरी पाचपाखाड़ी से अपना पर्चा भरा।उन्हें उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फ़डणवीस का साथ मिला। ठाणे में आयोजित रोड शो में शिंदे दिवंगत शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे और अपने राजनीतिक गुरु आनंद दिघे को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद अपना नामांकन करने निकले। नामांकन स्थल पर सीएम एकनाथ शिंदे का समर्थन करने के लिए शिवसेना के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद हैं। नामांकन दाखिल करने के बाद शिवसेना के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर बड़ी रैली निकाली गई। इस दौरान सीएम के नेता, विधायक और सांसद सभी मौजूद रहे।

सीएम लगातार जीतते आए हैं कोपरी पाचपाखाड़ी सीट

एकनाथ शिंदे कोपरी पाचपाखाड़ी सीट से लगातार जीतते आए हैं और एक बार फिर अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। उनके सामने उद्धव गुट के केदार दिघे चुनावी मैदान में हैं। कहा जा सकता है कि ठाणे उनका घर भी है और गढ़ भी। इस बीच शिवसेना नेताओं का कहना है कि इस बार 100 फीसदी नहीं बल्कि हजार फीसदी तय है कि एकनाथ शिंदे ही अगले मुख्यमंत्री बनेंगे। उन पर बालासाहेब ठाकरे और महाराष्ट्र की जनता का आशीर्वाद है।

ठाणे में हमेशा भगवा रंग रहा : फडणवीस

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'ठाणे में हमेशा भगवा रंग रहा है और यह वही रहेगा। सीएम एकनाथ शिंदे अपना नामांकन दाखिल कर रहे हैं। वह रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीतेंगे, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ देंगे। ठाणे महायुति के साथ होगा।'

पांच साल में सीएम शिंदे की संपत्ति तीन गुने से ज्यादा बढ़ी

60 वर्षीय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने शपथ पत्र में कुल 37 .68 करोड़ रुपये की संपत्ति बताई है। 2019 के चुनाव में उन्होंने कुल 11 .56 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति घोषित की थी। 2014 में शिवसेना नेता के पास कुल 7 .51 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। इस तरह से 10 साल में शिंदे की संपत्ति में 30 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सीएम शिंदे की आय 34,81,135 रुपये थी, जो 2018-19 में 61,00,841 रुपये थी। राज्य में पिछला विधानसभा चुनाव 2019 में हुआ था। हालांकि, इस अवधि के दौरान उनकी पत्नी की आय 9,94,096 रुपये से बढ़कर 15,83,972 रुपये हो गई है, जो 59 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

बांद्रा ईस्ट सीट

ज़ीशान सिद्दीक़ी ने मुंबई के बांद्रा ईस्ट से भरा पर्चा

प्रदेश में कुछ सीटें ऐसी भी हैं, जिन पर सभी की नजर है। इनमें से एक सीट है बांद्रा ईस्ट, जहां से अजित पवार की एनसीपी के जीशान सिद्दीकी और बाबा सिद्दीकी के बेटे चुनाव लड़ रहे हैं। जीशान ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर पार्टी के सीनियर नेता छगन भुजबल भी मौजूद थे।

लोकतंत्र है, कोई भी लड़े, लेकिन जीत जीशान की होगी : छगन भुजबल

मीडिया से बात करते हुए छगन भुजबल ने कहा, जीशान सिद्दीकी पहले भी चुनाव जीत चुके हैं। उनके पिता बाबा सिद्दीकी हाल ही में हत्या के शिकार हुए हैं। वे हमारी पार्टी के नेता थे। जीशान सिद्दीकी हमारे पार्टी में शामिल हो गए हैं और पार्टी ने उन्हें एक बार फिर से यहां से उम्मीदवार बनाया है। मैं पार्टी की ओर से उनके नामांकन का समर्थन करने आया हूं। भुजबल से जब पूछा गया कि यहां से उद्धव ठाकरे की पार्टी ने वरुण सरदेसाई को टिकट दिया है और उम्मीद की जा रही है कि उनसे कड़ी टक्कर मिलेगी, तो इस पर भुजबल ने कहा, लोकतंत्र में कोई भी चुनाव लड़ सकता है। लेकिन यहां से उनके पिता भी कई बार विधायक रह चुके हैं और पिछले 15-20 साल से यहां का माहौल देखकर मुझे उम्मीद है कि यहां से जीत जीशान की ही होगी।

ब्रह्मपुरी सीट

वडेट्टीवार ने किया विशाल शक्ति प्रदर्शन

चंद्रपुर जिले के ब्रह्मपुरी विधानसभा क्षेत्र में वडेट्टीवार ने विशाल शक्ति प्रदर्शन किया, जहां छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौजूद थे। विजय वडेट्टीवार ने कहा, 'राज्य में चुनाव महाराष्ट्र के स्वाभिमान के लिए हैं।। आज किसानों को जो समस्याएं हो रही हैं, वे सब दिख रही हैं। बेरोजगारों की हालत, कानून-व्यवस्था की हालत, यह सब देखकर पता चलता है कि भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। आज भ्रष्टाचार 30 प्रतिशत से ऊपर है। महाराष्ट्र में जहर फैलाने का काम चल रहा है।'

माहिम दादर सीट

अमित ठाकरे का नामांकन

इस चुनाव में राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे का नामांकन भी चर्चा का विषय बना हुआ है, जो युवा नेता के रूप में अपनी पहचान बनाने का प्रयास कर रहे हैं। समर्थकों की अच्छी ख़ासी भीड़ के बीच अमित ठाकरे ने भी माहिम दादर सीट से अपना नामांकन भरा।

पिता की सीट से चुनावी मैदान में उतरीं सना मलिक

अजित पवार गुट से ही पूर्व मंत्री नवाब मलिक के गढ़ अणुशक्ति नगर से उनकी बेटी सना मलिक चुनावी मैदान में उतारी गई हैं। पिता जेल में थे तो बेटी ने ही इस क्षेत्र को सम्भाला। पर्चा भरने पिता के साथ निकलीं। महायुति गठबंधन में तो हैं लेकिन बीजेपी का समर्थन नहीं है। नवाब मलिक ने कहा कि किंग मेकर तो अजित पवार ही होंगे। यात्रा में बीजेपी का झंडा नहीं होने को लेकर नवाब मलिक ने कहा कि इसकी ज़रूरत नहीं है। अजित दादा ही काफ़ी हैं। वहीं महाविकास अघाड़ी में जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं इसकी भविष्यवाणी नहीं कर सकता।

मेरे लिए भावुक करने वाला दिन : सना मलिक

सना मलिक ने अपना नामांकन दाखिल करने के बाद रोड शो किया। सना मलिक के रोड शो के दौरान उनके पिता नबाव मलिक भी उनके साथ मौजूद रहे। उनके रोड शो के दौरान काफी भीड़ उमड़ी। रोड शो के बाद सना मलिक ने कहा किआज का दिन बहुत अहम है। यह मेरे लिए बहुत भावुक करने वाला दिन है क्योंकि मैं एक नई शुरुआत कर रही हूं, हालांकि यह मेरी राजनीति में शुरुआत नहीं है लेकिन मैं पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रही हूं। सना ने फहाद पर निशाना साधते हुए कहा कि नवाब मलिक की बेटी होने पर मुझे गर्व है। अगर नवाब मलिक की बेटी अणुशक्तिनगर की बेटी बन सकती है तो यह किसी अभिनेत्री का पति होने से ज्यादा बेहतर है।

न्यूज़ ब्रीफ

शरद गुट की चौथी लिस्ट
अनिल देशमुख की जगह बेटे को दिया टिकट

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) ने सोमवार को अपने उम्मीदवारों की चौथी लिस्ट जारी कर दी है। पार्टी ने इस सूची में कोटल सीट से अपने प्रत्याशी अनिल देशमुख का टिकट बदल कर उनके बेटे को दे दिया है। पहले यहां से महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख चुनाव लड़ने वाले थे लेकिन अब पार्टी ने यहां से सलिल देशमुख को अपना प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा पार्टी ने मान से प्रभाकर घरगे, वाई से अरुणादेवी पिसल और खानापुर से वैभव पाटिल को उम्मीदवार बनाया है। इन 6 और नामों के साथ शरद गुट अभी तक कुल 82 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुका है।

सांसद गोपाल शेट्टी ने बोरीवली सीट से निर्दलीय लड़ने का किया एलान

मुंबई। भाजपा के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने बोरीवली सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल करने की घोषणा की है। जबकि भाजपा ने बोरीवली विधानसभा सीट से संजय उपाध्याय को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं अपनी उम्मीदवारी पर गोपाल शेट्टी ने कहा, यह मेरे टिकट न मिलने की बात नहीं है। मैंने टिकट नहीं मांगा था। लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं ने मेरा नाम सुझाया। उन्होंने आगे कहा कि बोरीवली के स्थानीय कार्यकर्ताओं में से किसी एक को टिकट मिलना चाहिए। बता दें कि गोपाल शेट्टी 2004 - 2014 तक महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य भी रहे थे। फिर मई 2014 में 16वीं और मई 2019 में 17वीं लोक सभा के लिए मुंबई उत्तर लोकसभा सीट से निर्वाचित हुए थे।

कोल्ड प्ले कंसर्ट : टिकटों की कालाबाजारी मामले में ईडी के रडार पर कई लोग

नितिन तोरस्कर | मुंबई

मुंबई। कोल्ड प्ले कंसर्ट मामले में टिकटों की कालाबाजारी की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रडार पर कई लोग हैं। ईडी को जांच में पता चला है कि कोल्ड प्ले कंसर्ट के फर्जी टिकटों को बेचने में इंस्टाग्राम, वॉट्सएप और टेलीग्राम का इस्तेमाल किया गया और इसके जरिए कइयों को टिकट बेचकर उनके साथ ठगी की गई है। इस मामले में जल्द ही गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। ईडी ने 25 अक्टूबर को मुंबई समेत देश के पांच बड़े शहरों में छापेमारी की थी। इसमें कई लैपटॉप, फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद किए गए थे। इनकी जांच में ईडी के हाथ कोल्ड प्ले कंसर्ट के फर्जी टिकटों की बड़े स्तर पर बिक्री होने की जानकारी मिली है। ईडी सूत्रों के अनुसार जनवरी 2025 में नवी मुंबई में होने वाले कंसर्ट के टिकटों की जबरदस्त मांग देखकर कई लोगों ने उसका फायदा उठाया और फर्जी टिकट बेचे।

इंदौर-मुंबई दुरंतो में यात्रियों को खाना नहीं देना ठेकेदार को पड़ा भारी

इंदौर/मुंबई। भारतीय रेलवे ने इंदौर-मुंबई दुरंतो ट्रेन में खाना सप्लाई करने वाली कैटरिंग कंपनी का ठेका कैंसिल कर दिया है। रेलवे ने यात्रियों की शिकायत और खाने की गुणवत्ता खराब होने के चलते यह कदम उठाया है। अब इस ट्रेन का ठेका नई कैटरिंग कंपनी को दिया गया है। कंपनी ने इंदौर-मुंबई दुरंतो ट्रेन में खाना सप्लाई का काम भी शुरू कर दिया है। पिछले दिनों इंदौर-मुंबई दुरंतो ट्रेन में यात्रियों द्वारा खाना बुक करने के बाद भी खाना नहीं देने का मुद्दा सामने आया था। इसके बाद रेलवे ने तुरंत एक्शन लेते हुए ट्रेन में खाना सप्लाई करने वाली कंपनी का ठेका निरस्त कर दिया है।

भाजपा की तीसरी सूची में 25 नाम

मुंबई। भाजपा ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 25 उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची जारी की। इसमें दो पूर्व कांग्रेसी और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निजी सहायक को टिकट दिया गया है। भाजपा ने अब तक 146 सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किए हैं। नई सूची में 2021 में कांग्रेस के टिकट पर उपचुनाव जीतने वाले और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के करीबी माने जाने वाले जितेश अंतापुरकर को देगलुर से उम्मीदवार बनाया गया है। चव्हाण हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। इसके बाद उन्हें राज्यसभा सदस्य बनाया गया। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष शिवराज पाटिल की बहू अर्चना को लातूर सिटी से मैदान में उतारा गया है। वह इस साल मार्च में भाजपा में शामिल हुई थीं। कई वर्षों तक फडणवीस के निजी सहायक के रूप में काम कर चुके सुमित वानखेड़े आर्वी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार होंगे। भाजपा की तीसरी सूची में चार महिलाओं के नाम हैं।

नारायण राणे के दोनों बेटों को टिकट

बीजेपी सांसद नारायण राणे के विधायक बेटे नितेश राणे को बीजेपी ने फिर से टिकट दिया है। बीजेपी ने एक बार फिर से कोंकण की कणकवली सीट से उन्हें मौका दिया है। इस बीच नारायण राणे के बड़े बेटे नीलेश राणे को भी टिकट मिल गया है। लेकिन उन्हें बीजेपी से नहीं किसी दूसरी दल ने मैदान में उतारा है।

एक्शन ED ने प्रमोटर्स की 503 करोड़ की संपत्तियां जब्त कीं

4 हजार करोड़ का बैंक फ्रॉड, 5 राज्यों में एक्शन

मुनीब चौरसिया | नागपुर

प्रवर्तन निदेशालय (ED) नागपुर ने 4,037 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी केस में 5 राज्यों में कार्रवाई की है। एजेंसी ने महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और आंध्र प्रदेश में 503.16 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। ये संपत्तियां 24 अक्टूबर को जब्त की गई थीं। इसके साथ ही जब्त की गई कुल संपत्ति लगभग 727 करोड़ रुपए हो गई है।

2019 में कंपनी को बैंक ने फ्रॉड घोषित किया था

कॉरपोरेट पावर, एक स्पेशल पर्पज व्हीकल सेटअप था, जिसकी स्थापना 2006 में अभिजीत ग्रुप ने की थी। इसका मकसद झारखंड में अपने पावर वेंचर के लिए पैसा जुटाना था। 2019 में यूनियन बैंक ने कॉरपोर्ट पावर लिमिटेड के अकाउंट्स को फ्रॉड घोषित किया और 2022 में सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई थी। ईडी की जांच में पता चला था कि CPL के अलावा, अभिजीत ग्रुप की बाकी संस्थाओं ने भी इस तरह के बैंक लोन फ्रॉड को अंजाम दिया था। ग्रुप ने 250 से ज्यादा फर्जी संस्थाओं का एक जाल बनाया था जिसका इस्तेमाल आरोपी अपराध से होने वाली इनकम को जोड़ने और उसके इस्तेमाल के लिए किया जा रहा था।

इनसे जुड़ा है मामला ?

मामला कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और उनके प्रमोटर्स, डायरेक्टर्स मनोज जायसवाल, अभिजीत जायसवाल, अभिषेक जायसवाल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप के तहत हुई जांच से जुड़ा है।

कुर्क सम्पतियां

कुर्क संपत्तियों में बैंक बैलेंस, म्यूचुअल फंड, शेयर, कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और मनोज कुमार जायसवाल और उनके परिजन के अलावा कई शेल कंपनियों के नाम ली गई प्रॉपर्टी शामिल हैं।

ब्याज समेत 11 हजार करोड़ से ज्यादा का हेर-फेर

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। यूनियन बैंक के मुताबिक आरोपियों ने लोन लेने के लिए प्रोजेक्ट डीटेल में हेरफेर की और इसके बाद बैंक के फंड को डायवर्ट किया था। इसके चलते बैंक को 4,037 करोड़ रुपए, ब्याज समेत 11,379 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इससे पहले इस मामले में ईडी ने नागपुर, कोलकाता और विशाखापत्तनम में कई जगह तलाशी अभियान चलाकर आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए थे। ED ने अपराध की आय भी जब्त की थी। जिसमें 223 .33 करोड़ रुपए के लिस्टेड शेयर और सिक्योरिटी, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और बैंक बैलेंस शामिल थे। साथ ही 55 .85 लाख रुपए की नकदी भी जब्त की थी।

दो बजे दोपहर

मुंबई आसपास

अनधिकृत भवन निर्माण की ट्रॉली गिरने से राहगीर की मौत

प्रशासक तथा मनपा आयुक्त अजय वैद्य पर धारा 106 के तहत मामला दर्ज करने की मांग

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका क्षेत्र में अवैध निर्माण कार्य इन दिनों खूब फलफूल रहा है। इस कारण शास्त्रीनगर इलाके में एक अनधिकृत भवन के चल रहे निर्माण कार्य के दौरान ट्राली गिरने से वह से गुज़र रहे ठेला व्यवसाय मजदूर की मौत हो गई थी। इस प्रकरण में अब नया मोड़ सामने आया है। समाजसेवक परमेश्वर संपतराव अंभोरे ने संबंधित पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक को लिखत ज्ञापन देकर प्रशासक तथा मनपा आयुक्त अजय विलास वैद्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 106 के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है।

ज्ञापन में मनपा आयुक्त अजय वैद्य पर गंभीर आरोप

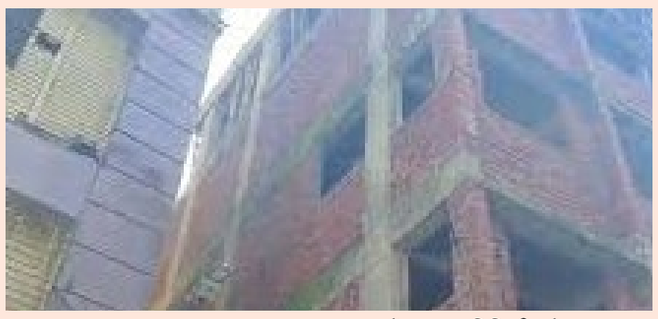

भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक को सौंपे गए ज्ञापन में परमेश्वर अंभोरे ने बताया है कि भिवंडी मनपा क्षेत्र में सभी अवैध निर्माण मनपा आयुक्त अजय वैद्य के नेतृत्व में किए जा रहे है। मनपा के प्रभाग समिति 3 के अंतर्गत शास्त्रीनगर इलाके स्थित घर न. 670/0 पर तल अधिक चार मंजिला इमारत का निर्माण कार्य जारी है। 2022 में प्रभाग समिति तीन के सहायक आयुक्त तथा शहर विकास अधिकारी एवं अतिक्रमण व अनधिकृत बाधनकाम विभाग उपायुक्त ने उक्त अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु प्रस्ताव आदेश मनपा आयुक्त के समक्ष रखा था। अंभोरे ने दिए गए ज्ञापन में गंभीर आरोप लगाया है कि कार्यवाही करने के प्रस्ताव आदेश के बाद भी आयुक्त अजय वैद्य ने निर्माणकर्ताओं से लाखों रूपये वसूलने के बाद उक्त अवैध निर्माण को कार्रवाई से बचा लिया। इसके साथ ही उन्होंने बयात है कि 2021 में धामणकर नाका परिसर में जिलानी बिल्डिंग हादसे में करीब 40 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि बॉम्बे हाईकोर्ट कोर्ट ने 2020 में आदेश जारी किया था कि यदि महानगर पालिका के अंतर्गत अनधिकृत भवन का निर्माण होगा तो उसके जिम्मेदार मनपा आयुक्त होंगे और उनके खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। इसके साथ ही संबधित पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी भी कार्रवाई नहीं करने पर कसूरवार होंगे। बावजूद शहर में अवैध निर्माण कार्य थमने का नाम नहीं ले रहा है। समाजसेवक परमेश्वर संपत राव अंभोरे ने शास्त्रीनगर में हुए हादसे का जिम्मेदार प्रशासक तथा मनपा आयुक्त अजय वैद्य को ठहराते हुए उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।

डॉ बाबासाहेब आंबेडकर व केलकर परिवार का बहुत पुराना संबंध है: आठवले

धर्मेंद्र उपाधयाय । ठाणे

विधायक संजय केलकर सर्वसामान्य जनता से बातचीत करने वाले विधायक हैं और डॉ बाबासाहेब आंबेडकर व केलकर के परिवार से बहुत पुराना संबंध है, यह बात कार्यक्रम में सम्मिलित हुए केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कही। केंद्रीय राज्यमंत्री आठवले ने केलकर को भारी मतों से चुनकर लाने के लिए कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। साथ ही केंद्रीय राज्यमंत्री आठवले ने कहा कि देश के लिये डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने इस तरह से जोड़ा है कि राहुल गांधी कितना भी बुराई करे लेकिन इस संविधान को कोई भी बदल नही सकता है।इस अवसर पर भाजपा विधायक निरंजन डावखरे, ठाणे शहर जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, भाजपा ठाणे विधानसभा चुनाव प्रमुख सुभाष काले, आर पी आय के वाघमारे, सचिन पाटील, राजेश गाडे, विशाल वाघ आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

21.52 लाख का प्रतिबंधित गुटखा जब्त

एक गिरफ्तार, दूसरे की तलाश जारी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के शांतिनगर पुलिस ने गुजरात राज्य के वापी से लाया गया प्रतिबंधित गुटखा से भरा टेंपो जब्त करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे की तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस ने 21 लाख 52 हजार 280 रूपये मूल का गुटखा भी टेंपो से बरामद किया है।

गुप्त सूचना पर कार्रवाई

पुलिस के अनुसार, उन्हें गुप्त सूचना मिली थी के गुजरात राज्य के वापी से गुटखे से भरा टेंपो भिवंडी आने वाला है। सूचना के आधार पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक सचिन कुचेकर व उनकी टीम ने कल्याण रोड स्थित भादौड़ नाका पर जाल बिछा कर बैठ गए और संदेह होने पर एक टेंपो को रोक कर उसकी तलाशी ले तो उक्त टेंपो से 21 लाख 52 हजार का प्रतिबंधित गुटखा व सुगंधित तंबाकू पुलिस को बरामद हुआ है।

पुलिस ने टेंपो चालक मोहसिन कल्हन खान 35, निवासी वापी जिला बलसाड़ राज्य गुजरात को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में पुलिस रामू नामक आरोपी की तलाश कर रही है।

जांच जारी

सीनियर पीआई विनायक गायकवाड ने बताया कि उक्त गुटखा से भरा टेंपो गुजरात राज्य के वापी से लाया गया था जो डोंबिवली जा रहा था। इसे पुलिस ने भादौड़ नाका पर ही जब्त कर लिया है। इतनी बड़ी मात्रा में गुटखा की बिक्री किसको करने वाले थे, इसकी जांच पुलिस कर रही है।

तीन अतिरिक्त फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाएगी पश्चिम रेलवे

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उधना-जयनगर-उज्जैन, अहमदाबाद-गोरखपुर और वडोदरा-छपरा के बीच विशेष किराये पर अतिरिक्त फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी।

उधना-जयनगर-उज्जैन अनारक्षित स्पेशल

ट्रेन संख्या 09039 उधना - जयनगर स्पेशल मंगलवार, 29 अक्टूबर, 2024 को 10.15 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 07:00 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09040 जयनगर-उज्जैन स्पेशल गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 को 11.30 बजे जयनगर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.15 बजे उज्जैन पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09039 का सूरत, सायण, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा। इस ट्रेन में जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

अहमदाबाद – गोरखपुर स्पेशल

ट्रेन संख्या 09449 अहमदाबाद-गोरखपुर स्पेशल प्रत्येक बुधवार को अहमदाबाद से 22.00 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 04.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 30 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09450 गोरखपुर-अहमदाबाद स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को गोरखपुर से 07.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा फोर्ट, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या धाम, मनकापुर और बस्ती स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

वडोदरा-छपरा स्पेशल

ट्रेन संख्या 09125 वडोदरा-छपरा स्पेशल बुधवार, 30 अक्टूबर, 2024 को वडोदरा से 00.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.00 बजे छपरा पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09126 छपरा-वडोदरा स्पेशल गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 को 12.00 बजे छपरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.30 बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा किला, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर और सीवान स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

अखिल भारतीय विराट हास्य कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

राजस्थान प्रगती मंडल की ओर से दीपावली स्नेह सम्मेलन व अखिल भारतीय विराट हास्य कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन 4 नवंबर शाम को काशीनाथ घाणेकर नाट्य गृह में आयोजित किया जायेगा। संस्था के अध्यक्ष राकेश मोदी ने बताया कि हमारी संस्था 50 साल से धार्मिक, सामाजिक,शैक्षणिक,स्वास्थ्य पर कार्य करती है।

उन्होंने बताया कि समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महेश वंशीधर अग्रवाल को भामाशाह और सुभाष अग्रवाल को ठाणे गौरव सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।साथ ही सुरेश टिबरेवाल को उद्योग रत्न व डॉ उमा बंसल व डॉ मंजुश्री बिर्ला को स्वास्थ्य रत्न से सम्मानित किया जायेगा। साथ ही समाज के अन्य विभूतियों को राजस्थान शिरोमणि से जिसमें ओमप्रकाश शर्मा, रामचंद्र तोदी, प्रदीप गोयनका, उमाशंकर रूंगटा,राजेश हलवाई,विश्वनाथ बगड़िया, राजकुमार झुनझुनवाला आदि का सम्मान होगा।

अवैध पोस्टर और बैनर पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश

ठाणे। विधानसभा चुनाव के दौरान बिना परमिशन के लगे हुए दीपावली की शुभकामना आदि जैसे पोस्टर, बैनर, बोर्ड पर सहायक आयुक्त तत्काल कार्रवाई करने के लिए मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिया। मनपा के नागरी संशोधन केंद्र में सोमवार को विभागप्रमुखों के साथ में मनपा आयुक्त सौरभ राव ने एक बैठक लिया जिसमें अनधिकृत पोस्टर,बैनर,बोर्ड पर कड़क कार्रवाई करने के लिए दिया निर्देश।आचार संहिता लागू होने के बाद शहर के सभी क्षेत्रों में बैनर , पोस्टर मनपा ने निकाल दिया था लेकिन दीपावली पर्व पर फिर से शुभकामना संदेश का बैनर लग सकता है, ऐसी स्थिति में जिसको जिलाधिकारी कार्यालय से परमिशन है उसको छोड़कर अन्य बिना परमिशन वाले पर कड़क कार्रवाई किया जाय यह बात आयुक्त राव ने बैठक में स्पष्ट कहा।

भाभी के चरित्र पर संदेह करने वाले देवर के खिलाफ मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शहर के कामतघर इलाके स्थित रहने वाली एक महिला ने अपने ही देवर के खिलाफ चरित्र पर संदेह कर सवाल उठाने और अपशब्द भाषा का प्रयोग करने को लेकर नारपोली पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करवाया है।

पूरा मामला समझें

महिला ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया है कि मंगलवार के रोज उसके पति और बेटे के बीच किरकोल को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद बेटा गुस्से में घर के बाहर चला गया था। परंतु जब महिला का पति अपने बेटे को घर वापस ला रहा था तभी महिला के देवर प्रवीण चौधरी ने अपने भाई को गाली गलौज देते हुए कहा कि तेरी पत्नी अश्लील कार्य करती है। जब इस बात की पुष्टि करने महिला अपने देवर के घर गई तो देवर प्रवीण चौधरी ने महिला के साथ अपशब्द भाषा का प्रयोग कर इसके चरित्र पर सवाल उठाए और ठेस पहुंचाने के उद्देश से उसे अपमानित किया। इसके बाद महिला ने नारपोली पुलिस में देवर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

धनंजय बोडारे ने किया उम्मीदवारी का पर्चा दाखिल

उल्हासनगर। कल्याण पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों पर प्रकाश डालने और आगामी विधानसभा चुनाव में लोगों की आवाज उठाने के लिए महाविकास अघाड़ी ने उद्धव बालासाहेब ठाकरे समूह की ओर से धनंजय बोडारे को नामित किया है। नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान धनंजय बोडारे ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया और अपने समर्थकों के साथ एक भव्य रैली निकाली. यह रैली विठ्ठलवाड़ी श्रीराम टॉकीज चौक से शुरू हुई और विभिन्न मार्गों से होते हुए ₹डी₹ वार्ड प्रभाग के चुनाव कार्यालय पहुची। जहां उन्होंने आधिकारिक तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद

धनंजय बोडारे की उम्मीदवारी के समर्थन में महाविकास अघाड़ी के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद थे. इस शक्ति प्रदर्शन में उल्हासनगर के पूर्व विधायक पप्पू कालानी की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने बोडारे की जीत के लिए ऊर्जावान भूमिका निभाई। रैली में शिवसेना संपर्क प्रमुख गुरुनाथ खोत, कल्याण पूर्व शहर प्रमुख शरद पाटिल, राकांपा पदाधिकारी प्रकाश तारे और विजय मोरे, आम आदमी पार्टी के धनजय जोगदंड, पूर्व नगरसेवक वसुधा बोडारे, महिला अघाड़ी की मीना मालवे और तेजस्वी पाटिल भी शामिल थे।

उल्हासनगर विधानसभा सीट

7 उम्मीदवारों ने भरा नामांकन

उल्हासनगर। सोमवार को उल्हासनगर विधानसभा-141 से 7 लोगों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया.भाजपा व महायुति के उम्मीदवार कुमार आयलानी ने भारी जनसमूह और शक्ति प्रदर्शन के साथ नामांकन भरा.वही अन्य ओमी कालानी व डॉ संजय गुप्ता ने भी अपना पत्र भरकर चुनाव प्रचार का शंखनाद किया।

कुमार आयलानी ने भारी जनसमूह के साथ किया शक्ति प्रदर्शन

कुमार आयलानी ने गोल मैदान अपने कार्यालय से मनपा कार्यालय होते 17 सेक्शन,एसडीओ कार्यालय तक रैली निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में लाडली बहनें शामिल हुईं।आयलानी ने शिवाजी महाराज और बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी, जगगनाथ पाटिल, जमन्नु पुरुस्वानी, भाजपा प्रत्याशी सुलभा गायकवाड़ सहित महायुति के कई प्रमुख नेता शामिल हुए। कुमार आयलानी ने शहर के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई और भारी संख्या में उपस्थित लाडली बहनों व युवाओं का आभार व्यक्त किया।

महाविकास आघाड़ी के ओमी कालानी और वंचित बहुजन आघाडी के संजय गुप्ता ने भी दाखिल किए अर्ज

महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार ओमी कालानी अपना पारिवारिक सदस्यों के साथ अपना नामांकन पत्र कर विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि शहर के सड़को की स्जिति व दिवाली व शहर के यातायात समस्या को लेकर उन्होंने सादा तरीका अपनाया।और व्यापारियो को कोई दिक्कत न हो। इसके साथ ही वंचित बहुजन आघाडी के उम्मीदवार संजय गुप्ता ने भी अपना नामांकन दाखिल किया। गुप्ता ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है पर पराजित नही। उनकी पार्टी वंचित वर्ग के हक और अधिकार के लिए मजबूती से चुनाव में उतर रही है।

अब तक 11 लोगों उमीदवारों ने किया पर्चा दाखिल

1) कुमार आयलानी - भाजपा
2) मीना आयलानी - अपक्ष
3) ओमी सुरेश कलानी - राष्ट्रवादी शरद पवार गट
4) अनिल प्रेमकुमार जयस्वाल - अपक्ष
5) मोहंमद शहबुद्दीन शेख - अपक्ष
6) मनोज दिलीप सयानी - नागरिक विकास पार्टी
7) संजय कान्हयालाल गुप्ता - वंचित बहुजन आघाडी
(8) पूजा संतोष वाल्मिकी
(9) अनिल जयरामदास तोतानी
(10) अमित उपाध्याय
(11) सयानी मनोज दिलीप

दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

आध्यात्मिक

उपचार

निशांत के. शर्मा
न्यूमरोलॉजर, एस्ट्रोलॉजर, औरा एक्सपर्ट एंड वास्तु कंसल्टंट
मो. : 9305793058

इस धनतेरस पर दुर्लभ और शक्तिशाली अवसर आपका इंतजार कर रहा है!

धनतेरस पर शुभ समय

इस बार 29 अक्टूबर को शाम 6:30 से 8 बजे के बीच का समय बेहद शुभ है। इस दौरान वृषभ काल (स्थिर लगन) रहेगा, जिसमें धनवंतरि मंत्र या श्री सूक्तम का जाप करने से परिवार में समृद्धि स्थिरता और धन का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

धन्वंतरि मंत्र: 'ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय धन्वंतरये अमृत-कलश हस्ताय, सर्व भय विनाशाय, सर्व रोग निवारणाय त्रिलोक्य पथाय, त्रिलोक्य निताय श्री महा विष्णवे नमः।

श्री सूक्तम (माँ लक्ष्मी मंत्र):
हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्।
चन्द्रांहिरण्मयीं लक्ष्मीम्जातवेदो मा आवह।

सबसे पहले भगवान धनवंतरि की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।

दीपक जलाएं: इस दौरान 'उँ धन्वंतरि नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें या श्री सूक्तम का पाठ करें।

दिवाली से पहले मुंबई की हवा हुई जहरीली

बढ़ा प्रदूषण का स्तर, AQI 131 पर पहुंचा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

ठंड का मौसम आने वाले है और इसका शुभारंभ होते मुंबई में दिख रहा है। लेकिन प्रदूषण के चलते ठंड की जगह धुंध की जगह प्रदूषण की धूंध सुबह नज़र आने लगी है। मुंबई के कुछ हिस्सों में सोमवार की सुबह धुंध की परत छाई रही, क्योंकि शहर में कुल वायु गुणवत्ता खराब हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, सुबह 8 बजे यहां AQI 131 दर्ज किया था, जिसे 'मध्यम' श्रेणी में रखा गया। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि शहर में प्रदूषण की स्थिति खराब हो रही है और कार्रवाई की जानी चाहिए।

इन इलाकों में भी हालात बिगड़ने के संकेत

मुंबई के बायकुला, चेंबूर, छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, देवनार, घाटकोपर, कांदिवली पश्चिम, कोलाबा, कांदिवली ईस्ट, मुलुंड वेस्ट और पवई में भी प्रदूषण से हालात बिगड़ने के संकेत हैं।

ये है प्रदूषण की वजह

मरीन ड्राइव इलाके में वॉक पर आए व्यक्ति ने बताया कि इलाके में बढ़ते धूल और प्रदूषण से बुरा हाल है। प्रदूषण शहर में चल रहे निर्माण कार्यों की वजह से है। पहले ऐसा नहीं था। इससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। मैं यहां रोजाना आता हूं क्योंकि यह ताजगी भरा लगता है, लेकिन अब धूल और प्रदूषण बढ़ गया है।

जरूरी काम होने पर ही निकलें घर से बाहर

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया है कि आज इस साल का अभी तक का मुंबई में सबसे खराब वायु प्रदूषण स्तर दर्ज किया गया। रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 202 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के मुताबिक वायु प्रदूषण अधिकांश लोगों के लिए सांस लेने में तकलीफ का कारण बन सकती है।

'रात 10 बजे तक ही फोड़ें पटाखे'

बीएमसी ने की मुंबई वालों से अपील

मुंबई। शहर में प्रदूषण का स्तर मध्यम रहने के कारण बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) ने सोमवार को नागरिकों से दिवाली के दौरान रात 10 बजे तक पटाखे फोड़ने की अपील की. नगर निगम ने मुंबईवासियों से कम वायु और ध्वनि प्रदूषण वाले पटाखे फोड़कर पर्यावरण के अनुकूल तरीके से त्योहार मनाने का आग्रह किया. बीएमसी की तरफ से इसको लेकर एक विज्ञप्ति भी जारी की गई है. जिसमें कहा गया है कि बीएमसी सभी नागरिकों से इस अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने का आग्रह करती है, ताकि दिवाली सभी के लिए सुरक्षित, आनंदमय और पर्यावरण के अनुकूल उत्सव बन सके. सोमवार शाम को आर्थिक राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 81 पर ₹मध्यम₹ था. बीएमसी ने विज्ञप्ति में कहा कि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जबकि वरिष्ठ नागरिकों और हृदय रोगियों को ध्यान में रखते हुए तेज आवाज वाले पटाखे नहीं जलाए जाने चाहिए. साथ ही विज्ञप्ति में कहा गया है कि पटाखे खुले इलाकों में जलाए जाने चाहिए. संकरी गलियों या भीड़भाड़ वाली जगहों पर पटाखे न जलाए. साथ ही, सुरक्षा के लिए पानी और बालू को अपने पास जरूर रखें.

बीजेपी ने सहयोगी दलों को दी चार सीटें

RPI(A) ने कलीना से उतारा उम्मीदवार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए महायुति में शामिल बीजेपी ने अपने कोटे से चार सीटें सहयोगियों के लिए छोड़ी है। इसमें से केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले की अगुवाई वाली आरपीआई (ए) ने कलिना से उम्मीदवार उतारा है। बीजेपी ने आरपीआई (ए) के अलावा युवा स्वाभिमान पार्टी, राष्ट्रीय समाज पक्ष और जन सुराज्य जनशक्ति पार्टी के साथ एक-एक सीट साझा की है। बीजेपी ने युवा स्वाभिमान पार्टी को बडनेरा विधानसभा सीट, राष्ट्रीय समाज पक्ष को गंगाखेड, जन सुराज्य जनशक्ति पार्टी को शाहुवाडी विधानसभा सीट दी है। रामदास आठवले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) ने कलिना विधानसभा सीट से अमरजीत सिंह को उम्मीदवार घोषित किया है।

शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट से चोरी हुई लाखों की बीएमडब्ल्यू कार

चोर ने हैकिंग के जरिए अनलॉक की कार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के मुंबई स्थित रेस्टोरेंट, बैस्टियन की पार्किंग से करीब 80 लाख रुपये कीमत की लग्जरी BMW Z4 Convertible (बीएमडब्ल्यू Z4 कंवर्टिबल) कार चोरी हो गई। दादर स्थित रेस्टोरेंट में हुई वारदात से लोग हैरान हैं। कार के मालिक, बांद्रा के कारोबारी रुहान खान को रेस्टोरेंट से बाहर निकलने पर इस चोरी का पता चला और उन्होंने शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में तुरंत एफआईआर दर्ज कराई।

वैलेट पार्किंग में दी थी कार

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बांद्रा में रहने वाले 34 वर्षीय कंस्ट्रक्शन के कारोबारी रूहान खान रविवार को लगभग 1 बजे 'बैस्टियन' पहुंचे। अपनी कार की चाबियां वैलेट को सौंपने के बाद, उन्होंने और उनके दोस्तों ने वहां खाना खाया। हालांकि, जब सुबह 4 बजे के आसपास रेस्तरां बंद हुआ, तो खान को पता चला कि उनकी कार गायब है। एक अधिकारी ने कहा, ₹उन्हें यह जानकर झटका लगा कि उनकी कार पार्किंग स्थल से गायब हो गई है।

कार हुई हैक

सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि वैलेट द्वारा बेसमेंट में वाहन पार्क करने के कुछ ही समय बाद, दो शख्त एक जीप कंपास एसयूवी में आए। रिपोर्ट के मुताबिक चोरों ने एडवांस्ड हैकिंग तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए, बीएमडब्ल्यू कार को अनलॉक किया। और पार्किंग क्षेत्र में एंट्री करने के कुछ ही मिनटों के भीतर कार लेकर भाग गए। चोरी की इस तुरंत हुई कार्रवाई ने 'बास्टियन' और इसी तरह के स्थानों पर सुरक्षा उपायों के बारे में चिंताएं पैदा कर दी हैं। इसके साथ ही, यह सवाल भी खड़ा हुआ है कि वाहन कंपनियां अपनी बेशकीमती कारों के सुरक्षा फीचर्स को लेकर भले ही कितने भी दावे करें।

पुलिस ने शुरू की जांच

शिकायत मिलने के बाद, पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। और चोरी की गई गाड़ी की गतिविधियों पर नजर रखने और इसमें शामिल संदिग्धों की पहचान करने के लिए आस-पास के निगरानी कैमरों से फुटेज का विश्लेषण कर रही है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) अधिनियम की धारा 303 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

विधायक जीशान सिद्दीकी की सुरक्षा में तैनात कांस्टेबल निलंबित

ड्यूटी से गायब होने पर DCP ने लिया एक्शन

मुंबई। मुंबई में विधायक जीशान सिद्दीकी की सुरक्षा में तैनात एक कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया। दरअसल, डीसीपी के औचक निरीक्षण के दौरान वह अपनी ड्यूटी से गायब पाया गया था। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी साझा की।

12 तारीख को बाबा सिद्दीकी की हुई थी हत्या

इसी महीने की 12 तारीख को बांद्रा पूर्व विधायक और पूर्व राज्य मंत्री बाबा सिद्दीकी की निर्मल नगर इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हाई प्रोफाइल हत्याकांड ने राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं। इस वारदात के बाद बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। हालांकि, विधायक ने हाल ही में क्षेत्रीय पुलिस उपायुक्त (DCP) दीक्षित गेदाम से मुलाकात की और अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर नाराजगी जताई थी।

अनाथालय में खिड़की के रास्ते घुसकर किशोरी से दुष्कर्म

4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई। एक अनाथालय से शर्मसार करने वाली खबर सामने आई है, यहां 13 साल की किशोरी से रेप के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर खांदेश्वर पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 64 और 74 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने आगे आगे कहा कि आरोपियों में अनाथालय के कर्मचारी शामिल हैं। जिसमें एक महिला' केयरटेकर' भी है जिसने जुलाई से सितंबर के बीच हुए दुर्व्यवहार की शिकायत दर्ज नहीं कराई।

'केयरटेकर' को दुर्व्यवहार की थी जानकारी

प्राथमिकी के अनुसार, आरोपियों में से एक ने जुलाई में खिड़की के रास्ते बच्ची के क्वार्टर में प्रवेश किया और उसके साथ दुष्कर्म किया, जबकि एक अन्य शख्स ने पिछले महीने उसके साथ मारपीट भी की। अधिकारी ने आगे बताया कि एक शख्स ने किशोरी को गलत तरीके से छुआ। महिला 'केयरटेकर' को इस दुर्व्यवहार के बारे में पता था, लेकिन उसने पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी।

नसीम खान के नामांकन में उमड़ा जनसैलाब

मुंबई। कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मो. आरिफ (नसीम) खान ने चांदीवली निर्वाचन क्षेत्र से महविकास आघाड़ी के कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पद नामांकन भरा। उन्होंने साकीनाका मेट्रो स्टेशन से 90 फीट रोड, काजुपाड़ा पाइपलाइन के मार्ग से ठीक 10 बजे एलबीएस रोड के मार्ग से जा कर विद्याविहार में 168 चुनाव निर्णय अधिकारी के कार्यालय में सोमवार को अपना नामांकन फॉर्म भरा।

साकीनाका से विद्याविहार निर्वाचन कार्यालय में करीब 8 से 10 हजार लोग आए थे। जगह जगह महिलाओं ने उनकी आरती उतारी और उन्हें चुनाव जीतने का आशीर्वाद दिया और विभिन्न स्थानों पर फूल-मालाओं की बौछार कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

इस मौके पर कांग्रेस विधायक भाई जगताप, पूर्व मंत्री सुरेश शेट्टी, मुंबई कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष चरण सिंह सप्रा, शिवसेना (उबाठा) गट के विजू शिंदे, सोमनाथ सांगले, एस अन्नामलाई, बालाजी सांगले, सनी आचरेकर, प्रशांत नालगे, हीरालाल यादव, बालकृष्ण गेट, मयूर राठौड़, उमाकांत भंगिरे, प्रशांत मोरे, चंदन सावंत, साईनाथ कटके राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) मुंबई के महासचिव बाबू बत्तेली, तालुका अध्यक्ष अबू स्वालेहा, रत्नाकर शेट्टी, व्यासदेव पवार, चेतन जाधव, फरमान राईन, शांताराम मोर, आरिफ शेख, राजेंद्र ढवले, महिला तालुका नेता छाया मयेकर और समाजवादी पार्टी की कार्यकर्ता और अन्य दल के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

2 अतिरिक्त सेवाओं के साथ एलटीटी-बिलासपुर-एलटीटी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन के संचालन का विस्तार

मुंबई। मध्य रेलवे ने दिवाली/छठ पूजा त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए 2 अतिरिक्त सेवाओं के साथ एलटीटी-बिलासपुर-एलटीटी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन के संचालन का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

एलटीटी-बिलासपुर-एलटीटी फेस्टिवल स्पेशल

08294 फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन बुधवार 30.10.2024 को एलटीटी मुंबई से 11.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.50 बजे बिलासपुर पहुंचेगी । 08293 फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन मंगलवार 29.10.2024 को बिलासपुर से 09.35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.00 बजे एलटीटी मुंबई पहुंचेगी ।

यहां रुकेगी : कल्याण , इगतपुरी , नासिक रोड , मनमाड , भुसावल , अकोला , बडनेरा , वर्धा , नागपुर , गोंदिया , दुर्ग और रायपुर।

दिवाली और छठ पूजा के दौरान लगभग 200 स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

चलाई जा रही हैं स्पेशल ट्रेनें, जिनमें उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों के लिए लगभग 50 विशेष ट्रेनें शामिल

- प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के विभिन्न उपाय
- आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई
- स्थिति पर नजर रखने और संकट प्रबंधन के लिए रेलवे अधिकारी चौबीसों घंटे तैनात

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

हर साल दिवाली और छठ पूजा के लिए देश भर से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश और बिहार आते हैं। ये त्योहार उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि अपने परिवार से मिलने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करते हैं। त्योहारी सीजन में यात्रियों की भारी भीड़ के कारण, अधिकांश ट्रेनों में टिकट दो से तीन महीने पहले ही वेटिंग लिस्ट में आ जाते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, भारतीय रेलवे इस साल एक बार फिर त्योहारी सीजन के दौरान विशेष ट्रेनें चला रहा है।

40 ट्रेनें पश्चिम रेलवे के मुंबई डिवीजन द्वारा चलाई जा रही

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यात्रियों की सुविधा और यात्रा की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, इस वर्ष पश्चिम रेलवे दिवाली/छठ पूजा के त्यौहारी सीजन के दौरान 200 विशेष ट्रेनें चला रही है। इनमें से लगभग 40 ट्रेनें पश्चिम रेलवे के मुंबई डिवीजन द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाई जा रही हैं, जिनमें 22 ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा के लिए हैं। अतिरिक्त विशेष ट्रेनों के संचालन की निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मंडल और मुख्यालय स्तर पर की जा रही है, जिसकी योजना भी तदनुसार बनाई जाती है। इसी तरह, ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची की भी वास्तविक समय के आधार पर दैनिक निगरानी की जाती है। ये विशेष ट्रेनें पश्चिम रेलवे से इन गंतव्यों के लिए चलाई जाने वाली नियमित ट्रेनों के अतिरिक्त हैं। उपलब्धता और मांग के अनुसार नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे भी जोड़े जाते हैं।

भीड़ प्रबंधन के समुचित क्रियान्वयन के लिए कई एहतियाती कदम उठाए

विनीत ने बताया कि पश्चिम रेलवे ने इन स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के समुचित क्रियान्वयन के लिए कई एहतियाती कदम उठाए हैं तथा विभिन्न विस्तृत व्यवस्थाएं की गई हैं। भीड़ प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बांद्रा टर्मिनस स्टेशन के पूर्वी परिसंचारी क्षेत्र में लगभग 600 यात्रियों की क्षमता वाला 370 वर्ग मीटर का यात्री होल्डिंग एरिया बनाया गया है। यात्रियों के आरामदायक प्रतीक्षा के लिए इसमें पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा पंखे लगे हैं। शौचालय की सुविधा के साथ तीन (3) पानी के फव्वारे उपलब्ध कराए गए हैं। होल्डिंग एरिया के अंदर सार्वजनिक घोषणा प्रणाली उपलब्ध है जो प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों को ट्रेन की गतिविधियों के बारे में अपडेट रखेगी। यह क्षेत्र प्लेटफ़ॉर्म पर प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों की संख्या को कम करेगा और यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने वाली ट्रेनों में यात्रियों के सुचारू प्रवेश की अनुमति देगा। ऐसे होल्डिंग एरिया उधना और सूरत स्टेशनों पर भी उपलब्ध हैं। साथ ही, सूरत स्टेशन पर PF नंबर 04 के पास एक नया वेटिंग एरिया बनाया गया है। सूरत से उधना तक दो शिफ्टों में 50 लाइसेंस सहायक तैनात किए जा रहे हैं। प्रमुख स्थानों पर विशेष ट्रेन के बारे में सूचना बैनर/स्टैंडीज़ प्रदर्शित किए गए हैं। उधना में सभी प्रवेश/निकास बिंदुओं पर चौबीसों घंटे चेकिंग स्टाफ़ तैनात किया गया है।

अधिकतम कर्मचारियों की तैनाती

पश्चिम रेलवे यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए सभी संभव प्रयास कर रही है और इस दिशा में अपेक्षित व्यवस्था की जा रही है। गौरतलब है कि भीड़ की निगरानी और नियंत्रण के लिए बांद्रा टर्मिनस, सूरत, उधना, वडोदरा, अहमदाबाद आदि जैसे अधिक आवाजाही वाले स्टेशनों पर अधिकतम कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा, पश्चिम रेलवे ने मुंबई मंडल के चुनिंदा प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से 8 नवंबर, 2024 तक अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। ये स्टेशन हैं मुंबई सेंट्रल, दादर, बांद्रा टर्मिनस, बोरीवली, वसई रोड, वापी, वलसाड, उधना और सूरत। इस कदम का उद्देश्य प्लेटफार्मों पर भीड़ को प्रबंधित करना और स्टेशन परिसर के भीतर यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना है।

संपादकीय

धमकियों की उड़ान

यह सवाल हर भारतीय को परेशान कर रहा है कि भारतीय एयरलाइन्स के जहाजों को लेकर दी जा रही धमकियों की यह बाढ़ सी क्यों आ रही है? आखिर फ्लाइट्स को डिजिटली धमकी देने वालों तक हमारा खुफिया तंत्र क्यों नहीं पहुंच पा रहा है? बार-बार मिलने वाली फर्जी धमकियों से जहां इन विमानन कंपनियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, वहीं यात्रियों को उड़ान में देरी व सुरक्षा जांच के चलते भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विमानन कंपनियों के आर्थिक नुकसान व यात्रियों पर मानसिक दबाव के मद्देनजर जो तत्परता सरकार की तरफ से दिखायी जानी चाहिए थी,वो नजर नहीं आ रही है। इस घटनाक्रम से आम यात्रियों में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है। हालांकि, अधिकांश धमकियां फर्जी ही निकली हैं, लेकिन इन अपराधियों तक पहुंचना जरूरी है। चिंता यह भी कि यदि भविष्य में किसी आतंकी साजिश के प्रति कोई वास्तविक सचेतक सूचना भी आएगी तो संभव है, उसे गंभीरता से न लिया जाए। अतः हर स्तर पर सावधानी बरती जानी जरूरी है। वहीं ऐसी हरकत करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। इस तरह लगातार मिल रही धमकियों की वजह से निरंतर फ्लाइट्स देर से उड़ान भर रही हैं, यात्री और उनके परिजन परेशान हो रहे हैं। विमानन कंपनियों को अपनी फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ रही हैं। ऊपरी तौर पर ऐसे घटनाक्रम का आर्थिक नुकसान विमानन कंपनियों को हो रहा है, लेकिन बाद में उसका असर आखिर यत्रियों की जेब पर ही पड़ना स्वाभाविक है। कुल मिलाकर नुकसान देश का ही है। लेकिन सरकार की तरफ से ऐसा संकेत नहीं मिल रहा है कि इससे निपटने के लिये कोई बड़ी व कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कमोबेश ऐसी ही स्थिति ट्रेनों के मार्ग पर लगातार अवरोधक लगाने की घटनाओं से भी सामने आई है। जिसके सामने तंत्र लाचार नजर आता है। सरकार को समझना चाहिए कि ऐसे अफरा-तफरी के माहौल से विमानन कंपनियों की सेवा व सुरक्षा व्यवस्था के प्रति लोगों में अविश्वास पैदा होता है। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था इतनी चाक-चौबंद हो कि ऐसी फर्जी धमकियों पर विचलित होने के बजाय उड़ानों का संचालन सहज ढंग से हो सके। कहीं न कहीं हमारे तंत्र में आत्मविश्वास की कमी की वजह से भी ऐसी अफरा-तफरी मचती है। हमारा सुरक्षा तंत्र इतना लचर भी नहीं होना चाहिए कि एक फर्जी धमकी से हम भयभीत हो जाएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। देखना यह भी जरूरी है कि फर्जी धमकी देने वाले सुरक्षित कैसे बच रहे हैं। लगातार विस्तार पाती डिजिटल दुनिया में होने वाले साइबर अपराधों की तह तक पहुंचने वाला हमारा तंत्र कमजोर क्यों नजर आ रहा है। क्यों हम धमकी भेजने वाले के ई-मेल पते को ट्रेस नहीं कर पा रहे हैं। आधुनिक तकनीक से डिजिटल निगरानी को वक्त की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया जाना चाहिए।

पंजाब की सियासत में अमरेंद्र की सरगर्मी के मायने

ज्योति मल्होत्रा

वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अमरेंद्र सिंह की तुलना लेनिन या नेपोलियन से करना कुछ ज्यादा ही हो सकता है, उक्त दोनों के बारे में माना जाता है कि उन्होंने स्वीकार किया था कि वे नेता इसलिए बने क्योंकि मिले अवसर का पूरा लाभ उठाया था। साल 1917 में लंदन से सेंट पीटर्सबर्ग लौटने पर लेनिन ने कहा था कि सत्ता उन्हें सेंट पीटर्सबर्ग की सड़कों पर पड़ी मिली और उन्होंने तो महज उठाने का काम किया था। इसके बाद वह रूसी क्रांति हुई जिसने रूस और दुनिया के बड़े हिस्से की सूरत बदल दी थी। इससे लगभग सौ साल पहले, 1815 में, सेंट हेलेना में निर्वासन के दौरान नेपोलियन ने अपने करीबी विश्वासपात्र चार्ल्स ट्रिस्टन से कहा था, 'मैंने किसी को गद्दी से नहीं उतारा। मुझे ताज़ गटर में पड़ा मिला। मैंने उसे उठाया और लोगों ने वह मेरे सिर पर रख दिया'।
यह स्पष्ट नहीं है कि पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) या फिर विपक्षी कांग्रेस या अकाली दल या भाजपा में से किसी को अपने कंधों पर इतिहास की जिम्मेदारी का अहसास है। बीते शुक्रवार की सुबह खन्ना मंडी में अपनी फसल की सरकारी खरीद किए जाने का सब्र से इंतजार कर रहे उम्रदराज किसानों से घिरे अमरेंद्र सिंह जब अपनी अंगुलियों के बीच से गुजार कर दानों का जायजा ले रहे थे तो उस वक्त खन्ना एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी में लाखों क्विंटलों धान का अम्बार खुले में पड़ा था।
समय पर धान की खरीद न होने का किस्सा आज पंजाब में राजनीतिक संकट के केंद्र में है क्योंकि सूबे की खेती दो-फसलीय चक्र पर टिकी है। चूंकि जब धान की बुवाई, रोपाई जुलाई में हो रही थी तो उस समय लोकसभा चुनाव चल रहे थे और कटाई का वक्त आया तो अक्तूबर के शुरू में पंचायत चुनाव और आगामी नवंबर में जालंधर (पश्चिम) और चार अन्य विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने जा रहे हैं। इसलिए राजनेताओं का इनमें लगातार उलझे रहना लाजिमी था।
इसके अलावा, पंजाब में सत्तारूढ़ आप आदमी पार्टी की सरकार अपने कार्यकाल का आधा रास्ता तय कर चुकी है, तो स्वाभाविक रूप से कुछ सुस्ती घर करने लगी है। बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की अफवाहें हैं। जहां मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपनी नज़दीकी मंडली के लोगों को बदला है वहीं सूबे की गिरती वित्तीय स्थिति संभालने के लिए सलाहकारों को लाया जा रहा है।
और फिर फरवरी 2025 में दिल्ली में चुनाव होने हैं, जिसमें आप और भाजपा के बीच करो या मरो की लड़ाई होने की उम्मीद है। इसमें ज्यादा अक्ल लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी कि अरविंद केजरीवाल और उनकी मंडली नहीं चाहेगी कि पंजाब में कुछ भी ऐसा हो जिसके असर से दिल्ली की लड़ाई कमजोर पड़े। यही कारण है कि पंजाब में फिर जोर पकड़ रहे किसानों के विरोध प्रदर्शनों का इतना महत्व है, भले ही उनमें से कई इस चक्कर में अपना नुकसान करवाने के आदी लगते हैं– अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारने जैसा। पिछले कई दिनों में, किसानों ने रेल पटरियों,सड़कों और राजमार्गों को धरना लगाकर अवरुद्ध किया है और राजनेताओं के घरों के सामने भी प्रदर्शन कर रहे हैं।
यहीं पर विडंबना है, और यही वजह है कि पंजाब में 'आप' का आधा कार्यकाल पूरा होने के वक्त, कहानी एक बार फिर से पलटने का खतरा है। जहां पंजाब के किसान अभी भी भाजपा को उन तीन कृषि कानूनों के लिए माफ करने के मूड में नहीं हैं, जो उसने 2020 में उन पर थोपने की कोशिश की थी – और वे भाजपा उम्मीदवारों को गांवों में प्रचार के लिए घुसने की अनुमति न देकर दंडित कर रहे हैं – वहीं यह भी सच है कि 'आप' पर भी उनका कोपभाजन बनने का खतरा मंडराने लगा है।
राजनीति, पूर्वानुमानित और उबाऊ, दोनों है। 'आप' सरकार भाजपा शासित केंद्र पर आरोप लगा रही कि वह पिछले साल के बचे धान भंडार को पंजाब से उठवाने से हील-हुज्जत कर रहा है, यही वजह है कि मंडियां और सड़कें धान से पटी हुई हैं, पंजाब सरकार का कहना है कि केंद्र ने मौजूदा फसल को उठवाने के लिए रोजाना 17 मालगाड़ियां चलाने का वादा किया था, लेकिन वे पर्याप्त नहीं आ रहीं। वहीं भाजपा ने अपनी प्रतिक्रिया में भगवंत मान पर झूठ बोलने का आरोप मढ़ा है।
बदतर कि धान खरीद को लेकर आप-भाजपा का आमना-सामना कई आसन्न संकटों के मद्देनजर है, जिनमें कुछ खुद के पैदा किए गए हैं। पंजाब के सबसे बड़े शहरों में नागरिक सुविधाएं बदहाल हैं – कूड़े के ढेर, अतिक्रमण, खुली सीवर लाइनें, अस्पतालों का बुरा हाल और सरकारी स्कूलों में स्कूली शिक्षकों की कमी पर द ट्रिब्यून में चल रही शृंखला निराशाजनक हाल का बखान करती है। ढाई साल पहले, भगवंत मान ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल किया था और अकाली दल को फिर से संगठित होने और भाजपा को पनपने का मौका नहीं दिया। पंजाब के लोग शायद अभी भी भाजपा को वोट देने के लिए तैयार न हों, लेकिन पंजाब के चतुर राजनेता अच्छी तरह जानते हैं कि हर चुनाव में भाजपा के वोट बढ़ रहे हैं। इस बीच, सुखबीर बादल के नेतृत्व वाला अकाली दल या तो हिचक रहा है या फिर बढ़ती राजनीतिक शून्यता भरने के काबिल नहीं बचा। यह धारणा जोर पकड़ रही है कि 'पंजाब बहुत सारे नशे में डूबा हुआ है' और इसका नेतृत्व इससे निपटने में असमर्थ लग रहा है। सवाल यह है कि 'आप' सरकार इस बाबत क्या करने जा रही है?

जीवन मंत्र

श्री श्री आनंदमूर्ति

कुटिल कभी नहीं बदलता

'हमें मृतक का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि पड़ोसियों ने मुझे जीवन भर सताया। मैंने सुना है कि वे मेरे मरने से पहले किसी पेड़ से लटकाकर और मुझ पर पत्थर बरसाकर मुझे प्रताड़ित करना चाहते हैं। मेरी रक्षा करें।' हम चिट्ठी मिलते ही तुरंत आए और तुम सबको रंगे हाथों पकड़ लिया।

शायद आपने पौराणिक शहर अंधेरी नगरी के बारे में कहानियां सुनी हों, जो प्रयागराज के पास स्थित थी। वहां भोजन बेहद सस्ता था। अंधेरी नगरी में एक बहुत बुद्धिमान, मगर विघ्न-संतोषी व्यक्ति रहता था, जिसे लोगों को चोट पहुंचाने की बहुत बुरी आदत थी। वह व्यक्ति अपनी इस आदत का इतना आदी हो गया था कि उनका भोजन तभी स्वादिष्ट बनता, जब वह किसी न किसी को आहत कर लेता। जाहिर है, इस बुरी आदत ने उसके पड़ोसियों का जीवन असहनीय बना दिया था। एक सुबह उसने पड़ोसियों को बुलाकर कहा, 'मित्रो, मेरी बुरी आदत ने आपके जीवन में बड़ी पीड़ा ला दी है। अब चलाचली की वेला है। मैं आज और इसी वक्त से इस बुरी आदत को छोड़ना चाहता हूं। मुझे आपकी मदद की जरूरत है। आप सब मुझ पर एक आखिरी एहसान कर दें। मैं जब मर जाऊं, तो कृपया मेरे शव को मोहल्ले के बरगद के पेड़ से लटका दें और उस पर आप सब एक-एक पत्थर फेंकें। आपका एक-एक पत्थर मुझे स्वर्ग की ओर एक-एक कदम बढ़ा देगा।'

पड़ोसियों को शव के साथ ऐसा व्यवहार अनुचित लगा। वे आना-कानी करने लगे। उनमें से एक ने कहा, 'जब आप दूसरी दुनिया में पहुंचेंगे, तो निश्चित ही अपनी बुरी आदत छोड़ देंगे। मगर आप जैसा कह रहे हैं, वैसा करना तो हम सोच भी नहीं सकते।' कुटिल व्यक्ति ने पड़ोसियों से कहा, 'क्या आप सब मुझे स्वर्ग जाने से रोकना चाहते हैं?' मासूम पड़ोसियों ने कहा, 'नहीं-नहीं, ऐसा नहीं है, मगर हमें शव पर पत्थर फेंकने का विचार पसंद नहीं। फिर भी अगर इसी से आपकी आत्मा को शांति मिलेगी, तो अनिच्छा से हम यह कर सकते हैं।' दोपहर ढलते उस आदमी का निधन हो गया और पड़ोसियों ने अनिच्छा से ही उसकी अंतिम इच्छा पूरी की। बरगद के पेड़ की एक शाखा से सिर के बल लटकते उसके शव पर सबने धीरे-धीरे एक-एक पत्थर फेंका। उन सबकी आंखों से आंसू छलक पड़े, क्योंकि वे दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए ऐसा कर रहे थे। अचानक वहां जिले के वरिष्ठतम अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। उन्होंने सभी पड़ोसियों को घेर लिया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पड़ोसी काफी सहमे हुए थे। आखिरकार पुलिस अधिकारियों में से एक ने चुप्पी तोड़ी, 'हमें मृतक का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि पड़ोसियों ने मुझे जीवन भर सताया। मैंने सुना है कि वे मेरे मरने से पहले किसी पेड़ से लटकाकर और मुझ पर पत्थर बरसाकर मुझे प्रताड़ित करना चाहते हैं। मेरी रक्षा करें।' हम चिट्ठी मिलते ही तुरंत आए और तुम सबको रंगे हाथों पकड़ लिया।
इसलिए यह कहा जाता है कि काले मन पर कोई और रंग नहीं चढ़ता।

शख्सियत — स्वप्ना बर्मन

भारत की अदम्य हेप्टाथलॉन खिलाड़ी

स्वप्ना बर्मन भारत की एक प्रतिभाशाली एथलीट हैं, जिन्होंने हेप्टाथलॉन में देश का नाम रौशन किया है। उनका जन्म 29 अक्टूबर 1996 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में हुआ। साधारण परिवार से आने वाली स्वप्ना के पिता, पंचानन बर्मन, एक रिक्शा चालक थे, जबकि उनकी मां, बसना रानी बर्मन, चाय बागान में मजदूरी करती थीं। बचपन से ही स्वप्ना का जीवन कठिनाइयों से भरा था, लेकिन उनका हौसला और खेल के प्रति लगाव उन्हें आगे बढ़ने से कभी नहीं रोक सका।

स्वप्ना बर्मन का खेल सफर कई संघर्षों से भरा हुआ है। वह हेप्टाथलॉन में भारत की सबसे प्रमुख खिलाड़ियों में से एक हैं। हेप्टाथलॉन में सात अलग-अलग खेलों में मुकाबला होता है, जिसमें 100 मीटर हर्डल्स, हाई जंप, शॉट पुट, 200 मीटर रनिंग, लॉन्ग जंप, जैवलिन थ्रो और 800 मीटर रनिंग शामिल हैं। इन सभी खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन स्वप्ना ने अपनी मेहनत और समर्पण के बल पर खुद को इस खेल में साबित किया। स्वप्ना बर्मन को असामान्य शारीरिक बनावट की वजह से भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनके पैरों में छह-छह उंगलियां हैं, जिससे उन्हें दौड़ने में असहनीय दर्द होता है। बावजूद इसके, उन्होंने कभी हार नहीं मानी और अपने जुनून से खेल की ऊंचाइयों को छुआ। वर्ष 2018 में, एशियाई खेलों में स्वप्ना ने स्वर्ण पदक जीता और देश के लिए एक नई उम्मीद जगाई। वह एशियाई खेलों में हेप्टाथलॉन में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उनकी इस उपलब्धि ने पूरे देश को गर्व महसूस कराया और उन्होंने अपनी जीत देशवासियों को समर्पित की। स्वप्ना को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उनके खेल प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से भी नवाजा गया। उनके कठिन सफर ने उन्हें न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में एक प्रेरणा के रूप में स्थापित किया है। स्वप्ना बर्मन का जीवन संघर्ष और सफलता का एक बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि अगर मेहनत और लगन से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ा जाए, तो कोई भी बाधा सफलता को रोक नहीं सकती। उनकी कहानी आने वाले खिलाड़ियों को यह सिखाती है कि जीवन में मुश्किलें आएंगी, लेकिन अगर हौसले बुलंद हों, तो हर सपना साकार किया जा सकता है।

जीवन ऊर्जा

जेम्स बॉस्वेलः जन्म- जन्म 29 अक्टूबर 1740 — जन्म

जेम्स बॉस्वेल का जन्म 29 अक्टूबर 1740 को हुआ था और वे 19 मई 1795 को निधन हो गया। वे स्कॉटलैंड के एक प्रसिद्ध जीवनीकार, डायरी लेखक और वकील थे, जिन्हें डॉ. सैमुअल जॉनसन की जीवनी लिखने के लिए जाना जाता है। उनकी रचनाओं में 18वीं सदी के समाज, मानवीय स्वभाव, मित्रता और जीवन की जटिलताओं की गहरी समझ झलकती है।

महान कार्य शक्ति से नहीं, बल्कि निरंतरता से पूरे होते हैं

एक व्यक्ति जो हमेशा दूसरों की बातों पर विश्वास कर आगे बढ़ने को तैयार रहता है, वह कभी असफल नहीं होता। किसी व्यक्ति का असली मापदंड यह है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है जो उसे कोई लाभ नहीं दे सकते। ज्ञानवान वही है जो पढ़ने के साथ-साथ उसे याद भी रखता है। मनुष्य महान बन सकता है अगर वह स्वयं को उससे बड़ा मान ले जितना वह वास्तव में है। इस संसार में कोई भी मूल्यवान चीज आसानी से नहीं मिलती। हर व्यक्ति के जीवन में कोई न कोई अवसर होता है जो उसे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।सच्ची खुशी मित्रों की संख्या में नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता में होती है। अगर आप अपने रहस्य को छुपाना चाहते हैं तो उसे ईमानदारी में लपेट लें। अक्सर एक व्यक्ति के लिए प्रशंसा प्राप्त करना, प्रेम प्राप्त करने से अधिक महत्वपूर्ण होता है। खुशी चीजों में नहीं, बल्कि विचारों में होती है। महान कार्य शक्ति से नहीं, बल्कि निरंतरता से पूरे होते हैं। एक अच्छा मित्र जीवन से जुड़ाव का प्रतीक होता है, जो अतीत को जोड़ता है और भविष्य की ओर मार्ग दिखाता है। अचानक ऊंचाई पर पहुंचना व्यक्ति के लिए खतरनाक हो सकता है। ज्ञान की खोज में सबसे बड़ी खुशी, बाधाओं को पार करने में है। जो कर सकता है, वह कर सकता है और जो सोचता है कि वह नहीं कर सकता, वह नहीं कर सकता। जीवन को केवल पीछे देख कर समझा जा सकता है; लेकिन इसे आगे की ओर ही जीना होता है। चरित्र दो चीजों का परिणाम है - मानसिक दृष्टिकोण और समय का उपयोग। मित्र प्राप्त करने का एकमात्र तरीका यह है कि स्वयं एक मित्र बनें। जिसे हम आसानी से करना चाहते हैं, उसे पहले धैर्य और मेहनत से सीखना होता है। सभी मूर्खताओं में सबसे बड़ी मूर्खता एक छाया के लिए प्रेम में पड़ना है। मनुष्य का सबसे बड़ा सुख यह जानने में है कि जीवन अनंत नहीं है। मित्रता का एहसास उसी तरह का है जैसे स्वादिष्ट भोजन से पेट भरना; जबकि प्रेम ऐसा है जैसे चैंपेन से मन प्रफुल्लित हो उठना।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

त्रिकालदर्शी थे महर्षि मतंग

(भाग 2)

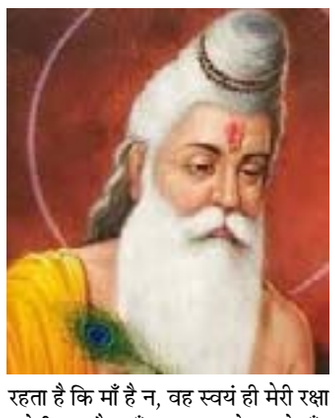

राम मुस्कुराए- यहां तो आना ही था मां, कष्ट का क्या मोल/मूल्य..
जानते हो राम! तुम्हारी प्रतीक्षा तब से कर रही हूँ, जब तुम जन्मे भी नहीं थे, यह भी नहीं जानती थी कि तुम कौन हो ? कैसे दिखते हो ? क्यों आओगे मेरे पास ? बस इतना ज्ञात था कि कोई पुरुषोत्तम आएगा, जो मेरी प्रतीक्षा का अंत करेगा।
राम ने कहा- ₹तभी तो मेरे जन्म के पूर्व ही तय हो चुका था कि राम को शबरी के आश्रम में जाना है।"
एक बात बताऊँ प्रभु ! भक्ति में दो प्रकार की शरणागति होती है। पहली 'वानरी भाव' और दूसरी 'मार्जारी भाव'।
"बन्दर का बच्चा अपनी पूरी शक्ति लगाकर अपनी माँ का पेट पकड़े रहता है, ताकि गिरे न... उसे सबसे अधिक भरोसा माँ पर ही होता है और वह उसे पूरी शक्ति से पकड़े रहता है। यही भक्ति का भी एक भाव है, जिसमें भक्त अपने ईश्वर को पूरी शक्ति से पकड़े रहता है। दिन रात उसकी आराधना करता है...!" (वानरी भाव)
पर मैंने यह भाव नहीं अपनाया। "मैं तो उस बिल्ली के बच्चे की भाँति थी, जो अपनी माँ को पकड़ता ही नहीं, बल्कि निश्चिन्त बैठा रहता है कि माँ है न, वह स्वयं ही मेरी रक्षा करेगी, और माँ सचमुच उसे अपने मुँह में टांग कर घूमती है। मैं भी निश्चिन्त थी कि तुम आओगे ही, तुम्हें क्या पकड़ना...। (मार्जारी भाव)
राम मुस्कुराकर रह गए!!
भीलनी ने पुनः कहा- सोच रही हूँ बुराई में भी तनिक अच्छाई छिपी होती है न... "कहाँ सुदूर उत्तर के तुम, कहाँ घोर दक्षिण में मैं!₹ तुम प्रतिष्ठित रघुकुल के भविष्य, मैं वन की भीलनी। यदि रावण का अंत नहीं करना होता तो तुम कहाँ से आते..?"
राम गम्भीर हुए और कहा-
भ्रम में न पड़ो मां! "राम क्या रावण का वध करने आया है..?"
रावण का वध तो लक्ष्मण अपने पैर से बाण चलाकर भी कर सकता है।
राम हजारों कोस चलकर इस गहन वन में आया है, तो केवल तुमसे मिलने आया है मां, ताकि "सहस्त्रों वर्षों के बाद भी, जब कोई भारत के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करे तो इतिहास चिल्ला कर उत्तर दे, कि इस राष्ट्र को क्षत्रिय राम और उसकी भीलनी माँ ने मिलकर गढ़ा था।"
जब कोई भारत की परम्पराओं पर उँगली उठाये तो काल उसका गला पकड़कर कहे कि नहीं! यह एकमात्र ऐसी सभ्यता है जहाँ, एक राजपुत्र वन में प्रतीक्षा करती एक वनवासिनी से भेंट करने के लिए चौदह वर्ष का वनवास स्वीकार करता है।
राम वन में बस इसलिए आया है, ताकि "जब युगों का इतिहास लिखा जाए, तो उसमें अंकित हो कि शासन/प्रशासन और सत्ता₹ जब पैदल चलकर वन में रहने वाले समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, तभी वह रामराज्य है।" राम वन में इसलिए आया है, ताकि भविष्य स्मरण रखे कि प्रतीक्षाएँ अवश्य पूरी होती हैं। राम रावण को मारने भर के लिए नहीं आया है माँ!
माता शबरी एकटक राम को निहारती रहीं।
राम ने फिर कहा-
राम की वन यात्रा रावण युद्ध के लिए नहीं है माता! "राम की यात्रा प्रारंभ हुई है, भविष्य के आदर्श की स्थापना के लिए।"
राम राजमहल से निकला है, ताकि "विश्व को संदेश दे सके कि एक माँ की अवांछनीय इच्छओं को भी पूरा करना ही 'राम' होना है।"

(क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

इंसान अपनी कीमत खुद बनाता है

एक बार एक अध्यापक ने अपनी क्लास के बच्चों को किताबी ज्ञान से हटकर जीवन से जुड़ा एक अहम पाठ पढ़ाने की सोची। उन्होंने अपनी जेब से 100 रुपए का एक नोट निकालकर क्लास के बच्चों को दिखाते हुए पूछा, 'क्या आप लोग बता सकते हैं कि यह कितने रुपए का नोट है' ? सभी बच्चों ने कहा – '100 रुपए का' टीचर – इस नोट को कौन कौन लेना चाहेगा ? टीचर का सवाल सुनकर सभी बच्चों ने अपना हाथ खड़ा कर दिया। अब उस टीचर ने उस नोट को अपनी मुट्ठी में बंद करके बुरी तरह मसल दिया। जिसकी वजह से वह नोट बुरी तरह खराब हो गया। टीचर ने एक बार फिर बच्चों को नोट दिखाकर सवाल किया, क्या अब इस नोट को ऐसे देखकर कोई बच्चा इसे लेना चाहेगा? ' टीचर का सवाल सुनकर सभी बच्चों ने एक बार फिर अपने हाथ उठा दिएं। टीचर ने अब उस नोट को जमीन पर फेंककर उसे अपने जूते से बुरी तरह कुचल दिया। नोट को जूते से कुचलने के बाद टीचर ने नोट उठाकर फिर से बच्चों से सवाल करके पूछा कि अब इसे कौन लेना चाहेगा ?
सभी बच्चों ने फिर से हाथ उठा दिया।
बच्चों का जवाब देखकर टीचर ने बच्चों से मुस्कुराते हुए कहा, बच्चों आज मैंने तुम्हें खेल-खेल में जीवन से जुड़ा एक बहुत अहम पाठ पढ़ाया है। टीचर ने कहा, ये 100 रुपए का नोट था, लेकिन जब मैंने इसे हाथ से कुचला तो ये नोट कुचल गया लेकिन इसकी कीमत 100 रुपए ही रही, इसके बाद जब मैंने इसे जूते से मसला तो ये नोट गंदा जरूर हो गया लेकिन फिर भी इसकी कीमत 100 रुपए ही रही।
ठीक वैसे ही एक अच्छा इंसान अपनी काबिलियत और स्वभाव हर परिस्थिति में एक जैसा ही बनाए रखता है। जीवन में उसे चाहे कितनी भी मुश्किलें और विफलता झेलनी पड़ जाए लेकिन उसकी कीमत ज्यों की त्यों बनी रहती है। अच्छा व्यक्ति आज भी बेहतर होगा और कल भी बेहतर रहेगा।

सीख-
-इंसान अपनी कीमत खुद बनाता है
-चेहरे से ज्यादा आपकी काबिलियत लोगों के लिए मायने रखती है।
-अच्छा व्यक्ति 100 के नोट की तरह आज भी बेहतर होगा और कल भी बेहतर रहेगा।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज ब्रीफ

प्रदूषण से निपटने को 10,000 सिविल डिफेंस वॉलेंटियर होंगे तैनात

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते प्रदूषण और इस मसले को लेकर विपक्ष के लगातार हो रहे हमलों ने दिल्ली सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अब दिल्ली सरकार ने बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई के लिए जल्द विभिन्न एजेंसियों के साथ 10 हजार सिविल डिफेंस वॉलेंटियर को तैनात करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को यह ऐलान किया।

सीएजी रिपोर्ट से संबंधित याचिका पर आज सुनवाई

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने सोमवार को सीएजी रिपोर्ट उपराज्यपाल को भेजने की मांग वाली भाजपा विधायकों की याचिका को 29 अक्तूबर के लिए सूचीबद्ध किया है। याचिका में सरकार को शराब शुल्क, प्रदूषण और वित्त पर 12 सीएजी रिपोर्ट उपराज्यपाल को भेजने का निर्देश देने की मांग की गई थी ताकि उसे विधानसभा के समक्ष रखा जा सके। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता सहित अन्य भाजपा विधायकों मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अजय कुमार महावर, अभय वर्मा, अनिल कुमार बाजपेयी और जितेंद्र महाजन ने शनिवार को याचिका दायर की थी।

पीडब्ल्यूडी के पांच इंजीनियरों के खिलाफ जांच को मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के पांच इंजीनियरों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जांच की मंजूरी दे दी है। अब भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। इन इंजीनियरों पर दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 200 करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप है। राजनिवास के एक अधिकारी ने बताया कि इस घोटाले में पीडब्ल्यूडी के इलेक्ट्रिक डिवीजन के दो सहायक अभियंता और तीन जूनियर इंजीनियर के खिलाफ जांच होगी। आरोप है कि इन्होंने दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों में आपातकालीन कार्यों के नाम पर खुद को लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न कंपनियों को टेंडर दिलाने में मदद की। इन अस्पतालों में लोक नायक अस्पताल, मौलाना आजाद डेंटल विज्ञान संस्थान, जीबी पंत अस्पताल और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज शामिल हैं।

कर्नाटक के बेंगलुरु और मैसूर में ED ने नए सिरे से की छापेमारी

बेंगलुरु। मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MUDA) स्कैम मामले में ED ने बेंगलुरु और मैसूर में नए सिरे से छापेमारी की है। दोनों शहरों में 8 जगहों पर तलाशी ली जा रही है। एजेंसी ने इस मामले में पहले दौर की छापेमारी 18 अक्टूबर को हुई थी, जब मैसूर में MUDA ऑफिस और कुछ दूसरी जगहों की तलाशी ली गई थी। ED ने MUDA स्कैम केस में सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और अन्य लोगों खिलाफ केस दर्ज किया है। पिछले शुक्रवार को CM सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती बी.एम से बेंगलुरु दफ्तर में 2 घंटे पूछताछ की जा चुकी है।

पीएम मोदी ने वडोदरा में टाटा-एयरबस फैक्ट्री का किया उद्घाटन

'संकटमोचक' बनेगा सी-295 एयरक्राफ्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात के वडोदरा में टाटा-एयरबस फैक्ट्री (TATA Aircraft Complex) का उद्घाटन किया, जो C-295 विमानों का निर्माण करेगी। उनके साथ स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज भी रहे। स्पेन के साथ ही भारत ने 56 विमान बनाने का समझौता किया है। 16 विमान स्पेन में ही बनेंगे, वहीं बाकी के 40 विमान टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) बनाएगी। एयरबस डिफेंस एंड स्पेस द्वारा निर्मित C-295 एक मध्यम-लिफ्ट विमान है, जो अपने असाधारण प्रदर्शन के चलते कई देशों की सेनाओं का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। अब ये कंपनी टाटा के साथ मिलकर भारत में ही विमान बनाएगी। C-295 को आधुनिक सेनाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

क्यों खास है C-295 ?

- C-295 में कई सारी खासियत हैं, जो इसे सेनाओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती हैं।
- विमान की रेंज 5000 किमी की है और यह 11 घंटे तक एक स्थान पर स्थिर रह सकता है।
- इसमें पेलोड क्षमता 9250 किलोग्राम तक की है।
- ये छोटे और कच्चे रनवे से भी संचालन कर सकता है।
- इसमें अत्याधुनिक कॉकपिट और नेविगेशन सिस्टम भी है।

C-295 की खासियत

- ये विमान सैनिकों, उपकरणों और सैन्य सामानों को दूरस्थ या शत्रु के क्षेत्रों में लेजाने का काम करता है।
- इतना ही नहीं, ये बड़े वाहनों, हेलीकॉप्टरों और अन्य बड़े आकार के कार्गो को ले जाने का काम भी करता है।
- इसमें घायल सैनिकों को महत्वपूर्ण देखभाल दी जा सकती है और उन्हें एक जगह से दूसरी जगह भेजा जा सकता है।
- टोही और खुफिया जानकारी एकत्र करने वाले मिशनों का भी ये संचालन कर सकता है।
- प्राकृतिक आपदाओं या मानवीय संकटों के दौरान राहत आपूर्ति और कर्मियों को पहुंचाने के काम आ सकता है।

भारत के लिए क्यों खास है ये विमान ?

इस विमान में 73 सैनिक या 48 पैराशूटर सफर कर सकते हैं। भारत के लिए ये इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें लैंडिंग के लिए छोटा रनवे की जरूरत होती है। उड़ने के लिए इसे 934 मीटर तक का रनवे और उतरने के लिए केवल 420 मीटर का रनवे की ही जरूरत है। वहीं, ये 800 किलो के हथियार, सैनिक, ईंधन और कई सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकता है।

कई देशों ने अपनी सेना में किया शामिल

C-295 को 20 से अधिक देशों ने अपनी सेना में शामिल किया है। स्पेन ने 13 C-295 को अपनाया है। वहीं, पोलैंड की वायु सेना 16 C-295 का उपयोग कर रही है। ब्राजील की वायु सेना 12 तो वहीं मिस्र की सेना सैन्य परिवहन और मानवीय मिशनों के लिए इसका इस्तेमाल करती है।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में 3 आतंकी ढेर

5 घंटे चले एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने मार गिराया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षा बलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। अफसरों ने बताया कि एक आतंकवादी की बॉडी मिल गई है। सुबह 7:26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास भट्टल इलाके में इन आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी। हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। आतंकी फायरिंग के बाद जंगल की ओर भाग गए थे। सेना ने इलाके को घेर कर सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद तीनों आतंकियों को ढेर कर दिया गया। इससे पहले 24 अक्टूबर को बारामूला में सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें 3 जवान और 2 पोर्टर की जान गई थी।

मंदिर में मोबाइल ढूंढ रहे थे आतंकवादी

सुरक्षाबलों ने बताया कि आतंकवादी भट्टल इलाके में जंगल से लगे शिव आसन मंदिर में एक मोबाइल ढूंढ रहे थे। उन्हें किसी को कॉल करनी थी। इसी दौरान आर्मी की एंबुलेंस गुजरी और आतंकवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि आतंकवादी पिछली रात बॉर्डर पार करके अखनूर में आए थे।

थानों के रिसेप्शन डेस्क प्रभारी पहनेंगे बॉडी कैमरा

भुवनेश्वर। ओडिशा में भुवनेश्वर-कटक के पुलिस आयुक्त ने सभी पुलिस थानों के रिसेप्शन डेस्क प्रभारियों को जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बॉडी कैमरा पहनने का निर्देश दिया है। पुलिस आयुक्तालय ने यहां भरतपुर थाने में पुलिसकर्मियों द्वारा एक सैन्य अधिकारी के उत्पीड़न तथा उसकी महिला मित्र के कथित यौन उत्पीड़न के बाद यह कदम उठाया है।

निर्देश जारी

भुवनेश्वर-कटक के पुलिस आयुक्त सुरेश देव दत्ता सिंह ने यह निर्देश जारी किया है। इससे आगंतुकों के साथ पुलिस के व्यवहार पर नज़र रखी जा सकेगी और जवाबदेही आएगी। पुलिसकर्मियों को विनम्र और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करने तथा कानून के अनुसार काम करने के लिए जागरूक किया गया है। इस पहल से पुलिस आगंतुकों के गलत व्यवहार को रिकॉर्ड करने में भी सक्षम होगी। भुवनेश्वर के डीसीपी पिनाक मिश्रा ने कहा कि बॉडी कैमरा पुलिस कर्मियों, रिसेप्शनिस्ट और शिकायतकर्ता के बीच बातचीत की निगरानी करेगा। इससे वरिष्ठ अधिकारियों को थाने में शिकायतकर्ता और पुलिस कर्मियों के बीच बातचीत से संबंधित मुद्दों को जानने में मदद मिलेगी।

यूट्यूबर कपल की घर में मिली लाश

2 दिन पहले अपलोड किया था आखिरी वीडियो

परसाला। केरल में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, यूट्यूबर कपल की संदिग्ध हालत में मौत से सनसनी फैल गई है। दोनों पति-पत्नी थे। दोनों के शव रविवार को केरल के परसाला शहर में उनके घर पर पाए गए। मृतकों की पहचान सेल्वराज (45) और उसकी पत्नी प्रिया (40) के रूप में हुई है। 'Sellu Family' नाम से उनका यूट्यूब चैनल है।

बदबू आने पर पड़ोसियों को हुआ शक

यह घटना तब सामने आई जब घर के आसपास के लोगों को शव की बदबू आने लगी और कपल के गायब होने का शक हुआ तो लोगों ने पुलिस से शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने दोनों शव बरामद किए। परसाला पुलिस के अनुसार, सेल्वराज को फांसी पर लटका हुआ पाया गया, जबकि उनकी पत्नी प्रिया का शव बिस्तर पर पड़ा था। शुरुआती जांच के अनुसार, मौतें दो दिन पहले हुई होंगी।

आखिरी वीडियो से दिए थे संकेत

सेल्वराज एक कंस्ट्रक्शन मजदूर के रूप में काम करता था और अक्सर अपने यूट्यूब चैनल पर अपनी पत्नी के साथ वीडियो पोस्ट करता था। दोनों के यूट्यूब प्लेटफॉर्म पर 18000 से अधिक सब्सक्राइबर हैं और दोनों ने अभी तक 1400 से अधिक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। दो दिन पहले उन्होंने अपना आखिरी वीडियो अपलोड किया, जिसमें एक गमगीन करने वाला गाना शामिल था। इस वीडियो में मृत्यु को दर्शाया गया था। साथ ही इसमें कपल की तस्वीरें भी थीं।

वक्फ समिति की बैठक का विपक्षी सांसदों ने किया वॉकआउट

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पर संयुक्त समिति की बैठक सोमवार को हुई। इसमें कई विपक्षी सांसद दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रस्तुतीकरण का विरोध करते हुए बैठक से बाहर निकल गए। इन लोगों ने बैठक में पक्षपातपूर्ण कार्यवाही का आरोप लगाया। विरोध करने वाले सांसदों ने दावा किया कि समिति के समक्ष पेश हुए दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक ने दिल्ली सरकार की जानकारी के बिना प्रस्तुतीकरण में बदलाव किया है। वॉकआउट करने वालों में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, द्रमुक सांसद मोहम्मद अब्दुल्ला, कांग्रेस के नसीर हुसैन, मोहम्मद जावेद समेत कुछ अन्य सदस्य शामिल थे।

भारत जोड़ो यात्रा की तरह कांग्रेस करेगी 'दिल्ली न्याय यात्रा'

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के तर्ज पर अगले महीने से 'दिल्ली न्याय यात्रा' शुरु करने जा रही है। इसके बारे में कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने जानकारी दी। उन्होंने इसके पीछे का उद्देश्य बताते हुए कहा कि इसके जरिए हम लोग शहर के लोगों से बातचीत करेंगे और उनके मुद्दों और समस्याओं को पहचानेंगे। देवेंद्र यादव ने बताया कि यह यात्रा आठ नवंबर को राजघाट से शुरू होगी और विधानसभा चुनाव से पहले चार दिसंबर तक चलेगी।

दिल्ली न्याय यात्रा का उद्देश्य

देवेंद्र यादव ने इस यात्रा के बारे में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा(दिल्ली न्याय यात्रा) के चार चरण होंगे। यात्रा के दौरान हम दिल्ली के लोगों से बातचीत करेंगे और जानेंगे कि पिछले 10 वर्षों से वे किन मुद्दों और समस्याओं से जूझ रहे हैं। यात्रा आठ नवंबर को राजघाट से शुरू होगी।

दिल्ली न्याय यात्रा के चार चरण

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए कहा कि इसके चार चरण होंगे और पहले चरण में यात्रा 16 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेगी। वहीं 15 से 20 नवंबर तक दूसरे चरण में यात्रा 18 क्षेत्रों में फिर 22 से 27 नवंबर तक तीसरे चरण में 16 और 29 नवंबर से चार दिसंबर तक चौथे चरण में 20 निर्वाचन क्षेत्रों से गुजरेगी।

भारत जोड़ो यात्रा से लिया सबक

आपको बता दें कि इससे पहले कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने पूरे देश में घूमकर भारत जोड़ो यात्रा की थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके कई सकारात्मक परिणाम सामने आए थे। इसी यात्रा से सीख लेते हुए कांग्रेस राजधानी दिल्ली में होने वाले चुनावों से पहले भी यात्रा करके जनता के बीच जाना चाहती है।

इंजीनियर रशीद की अंतरिम जमानत खत्म

नियमित जमानत पर 19 नवंबर को फैसला होगा

एजेंसी । नई दिल्ली

आतंकी फंडिंग के एक कथित मामले में जम्मू-कश्मीर के बारामूला से लोकसभा सांसद इंजीनियर रशीद की नियमित जमानत याचिका पर दिल्ली की अदालत 19 नवंबर को अपना आदेश सुनाएगी। स्थानीय अदालत को इस संबंध में सोमवार को आदेश पारित करना था, हालांकि इसे स्थगित कर दिया गया। वहीं, रशीद अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने के बाद तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंच गए।

2019 से तिहाड़ जेल में बंद

अदालत ने रशीद की जमानत पर पिछली सुनवाई के दौरान अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। उन्हें बीते 10 सितंबर को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी। इसे उनके पिता के खराब स्वास्थ्य के आधार पर 28 अक्तूबर तक बढ़ा दिया गया था। दस्तावेजों की जांच के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने याचिका का विरोध नहीं किया था। एनआईए द्वारा 2017 के आतंकी फंडिंग मामले में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किए जाने के बाद रशीद 2019 से तिहाड़ जेल में बंद हैं।

रशीद ने उमर से बैठकों का ब्यौरा सार्वजनिक करने को कहा

श्रीनगर। अवामी इत्तेहाद पार्टी के अध्यक्ष इंजीनियर रशीद ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से आग्रह किया कि वे अपनी हाल ही में नई दिल्ली की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री के साथ की गई बैठकों का ब्यौरा सार्वजनिक करें। रशीद ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोगों को यह जानने का अधिकार है कि बातचीत में क्या चर्चा हुई। रशीद ने उमर अब्दुल्ला से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया कि क्या उनकी बैठकों के दौरान अनुच्छेद 370 की बहाली और राजनीतिक कैदियों की रिहाई पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि यह आपका कर्तव्य है कि लोगों को चर्चा किए गए मुद्दों और उनकी प्रतिक्रियाओं के बारे में बताएं।

आरजी कर कांड

संदीप घोष ने लगाई जमानत की गुहार

भ्रष्टाचार समेत कई मामलों में आरोपी

CBI कर रही है जांच

एजेंसी । कोलकाता

आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व एवं विवादास्पद प्रिंसिपल ने सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट की एकल पीठ के समक्ष जमानत के लिए याचिका दाखिल की। न्यायमूर्ति शुभेंदु सामंत की एकलपीठ ने याचिका स्वीकार कर ली है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) घोष के खिलाफ समानांतर जांच कर रही है। पहली जांच आरजी कर में वित्तीय अनियमितताओं के मामले में और दूसरी जांच इसी अगस्त में इसी अस्पताल की एक महिला जूनियर डॉक्टर के साथ हुए जघन्य दुष्कर्म और हत्या के संबंध में है।

जांच को गुमराह करने का आरोप

दूसरे मामले में घोष के खिलाफ मुख्य आरोप जांच को गुमराह करने और सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप है। वहीं दुष्कर्म और हत्या मामले की प्रारंभिक जांच कोलकाता पुलिस द्वारा की जा रही थी, जिसके बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय ने जांच का प्रभार सीबीआई को सौंप दिया। सीबीआई ने दुष्कर्म व हत्या मामले में संदीप के साथ-साथ टाला थाने के पूर्व थानेदार अभिजीत मंडल को भी गिरफ्तार किया है। हालांकि, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने घोष की त्वरित सुनवाई की याचिका को खारिज कर दिया। हाल ही में बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज सौंपे, जिसमें बताया गया है कि कैसे राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने आरजी कर अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं की पिछली शिकायतों को नजरअंदाज किया, जब घोष वहां के मामलों के प्रमुख थे।

सीबीआई का कई कॉलेजों में भ्रष्टाचार का दावा

इससे पहले सीबीआई ने हाल में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई अपनी स्टेटस रिपोर्ट में दावा किया था कि बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ही नहीं बल्कि राज्य के कई सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कालेजों में पिछले 10 वर्षों में भारी वित्तीय भ्रष्टाचार हुआ है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि अगर भ्रष्टाचार की रकम 2,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हो जाए तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। सीबीआई ने स्टेटस रिपोर्ट में कहा है कि भ्रष्टाचार आरजी कर अस्पताल के बाहर भी फैल गया है। सीबीआई का कहना कि आरजी कर अस्पताल के वित्तीय भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और उनके दो करीबी व्यवसायियों सुमन हाजरा व बिप्लब सिंह के संपर्क स्रोतों की विस्तृत जानकारी सामने आने के बाद उसे इस भ्रष्टाचार के जाल के बारे में पता चला है।

प्रियंका चुनाव प्रचार के लिए पहुंचीं वायनाड

वायनाड। प्रियंका गांधी ने वायनाड लोकसभा सीट पर अपना चुनाव प्रचार सोमवार से शुरू कर दिया। राहुल गांधी के रायबरेली सीट चुनने के बाद वायनाड सीट से कांग्रेस ने प्रियंका को कैंडिडेट बनाया है। यहां 20 नवंबर को चुनाव है। रिजल्ट 23 नवंबर को आएगा।

रोड शो किया

प्रियंका ने वायनाड पहुंचने पर पहले रोड शो किया फिर मीनांगड़ी में रैली की। उन्होंने कहा कि हम जिस दौर में हैं, उसमें केंद्र में भाजपा की सरकार है। ये सरकार प्लानिंग के साथ समाज में नफरत और गुस्सा फैलाती है। हमने अल्पसंख्यकों पर हमले देखे हैं, मणिपुर में जो हुआ सबसे ने देखा है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान के मूल्यों को लगातार मिटाया जा रहा है। जनता के भले की जगह पीएम के खास दोस्तों के भले के लिए पॉलिसी बनाई जा रही हैं। किसानों-आदिवासियों की जमीनें बड़े व्यापारियों को दी जाती हैं। प्रियंका ने कहा कि मेरा भाई राहुल जैसा होना आसान नहीं है। उन्होंने 10 साल तक भाजपा के क्रूर हमले झेले। उनके बारे में झूठ फैलाया गया। ऐसा होना ग्लोबल पॉलिटिक्स में बहुत अलग है।

खबर संक्षेप

छठ पर्व पर प्रवासी मजदूरों के लिए खास पहल

पटना: बिहार में छठ पूजा के दौरान घर लौट रहे प्रवासी मजदूरों और अन्य पात्र लोगों के लिए बिहार सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़ने का एक बड़ा अभियान शुरू किया है। 26 अक्टूबर से पटना, राजेंद्र नगर, पाटलिपुत्र, और दानापुर रेलवे स्टेशन सहित प्रमुख बस स्टैंडों पर आयुष्मान कार्ड बनाने के कैंप लगाए गए हैं, जो 8 नवंबर तक कार्यरत रहेंगे। अब 4 नवंबर से 8 नवंबर तक छठ पर्व के मुख्य घाटों पर भी इसी प्रकार के कैंप लगाए जाएंगे। राज्य स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य है कि इस अवसर का लाभ उठाते हुए हर दिन कम से कम 500 कार्ड बनाए जाएं, जिससे अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ मिले। कैंप के जरिए आयुष्मान भारत योजना की जानकारी और ऑन-स्पॉट कार्ड बनाने की सुविधा दी जा रही है।

झारखंड विधानसभा चुनाव: भाजपा ने जारी की दूसरी उम्मीदवारों की सूची

रांची: झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी दूसरी उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ बरहेट निर्वाचन क्षेत्र से गमलियाल हेम्ब्रोम को उम्मीदवार बनाया गया है। गमलियाल हेम्ब्रोम ने 2019 में आजसू पार्टी के टिकट पर बरहेट सीट से चुनाव लड़ा था, जहां उन्हें 2,573 वोट मिले थे।इसके अलावा, भाजपा ने टुंडी सीट से विकास महतो को उम्मीदवार बनाने का भी ऐलान किया है। झारखंड में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को होने हैं, और चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जो साहिबगंज जिले के बरहेट (एसटी) क्षेत्र के मौजूदा विधायक हैं, ने 2019 विधानसभा चुनाव में भाजपा के साइमन माल्टो को 25,740 मतों के अंतर से हराया था।

ख्वाजा दरगाह में विवाद: मुस्लिम एकता मंच का समर्थन

अजमेर: अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में खादिम सैयद सरवर चिश्ती के हालिया विवादित बयानों के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। दरगाह के अन्य खादिम उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, अजमेर मुस्लिम एकता मंच के पदाधिकारियों ने सरवर चिश्ती का समर्थन किया, यह कहते हुए कि जो मुस्लिम समाज के मुद्दों को उठाएंगे, समाज उनके साथ है। मुस्लिम एकता मंच ने शहर के मैजेस्टिक होटल में एक बैठक आयोजित की, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने एकजुटता दिखाई। उन्होंने कहा कि समाज के मुद्दों को उठाने वाले प्रतिनिधियों का समर्थन करना आवश्यक है। इस दौरान, उन्होंने कुछ तत्वों पर नाराजगी व्यक्त की जो समाज के मुद्दों का राजनीतिकरण कर रहे हैं और एकता को बाधित कर रहे हैं।

लखनऊ हिरासत मौत मामला: सीएम योगी ने पीड़ित परिवार को दी आर्थिक सहायता और सरकारी मदद का आश्वासन

पीड़ित व्यापारी के परिवार से मिले मुख्यमंत्री, दी 10 लाख रुपए की राहत

एजेंसी । लखनऊ

लखनऊ में हाल ही में पुलिस हिरासत में व्यापारी मोहित पांडेय की संदिग्ध मौत के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी और उनके बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का वादा किया। उन्होंने परिवार को सरकारी आवास और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान स्थानीय विधायक योगेश शुक्ला और सभासद शैलेंद्र वर्मा भी परिवार के साथ मौजूद रहे। गौरतलब है कि मोहित पांडेय को पुलिस ने उसके चचेरे भाई से पैसों के विवाद के चलते हिरासत में लिया था। गिरफ्तारी के बाद लॉकअप में उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

परिवार का आरोप: लॉकअप में की गई थी पिटाई

मोहित के भाई शोभाराम ने आरोप लगाया है कि पुलिस लॉकअप में मोहित के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की गई, जिससे उसकी हालत खराब हो गई थी। उन्होंने बताया कि बिगड़ती तबीयत के बावजूद उसे समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया गया।इस मामले में पीड़ित की मां की शिकायत पर चिनहट थाने के इंस्पेक्टर और मोहित के चचेरे भाई आदेश समेत कई लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर ओवरटेक के दौरान पिकअप पलटी, सात लोग घायल

एजेंसी । अमेठी

अमेठी जिले के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सोमवार तड़के एक पिकअप वाहन ओवरटेक करने के प्रयास में दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई। इस हादसे में बाराबंकी और सीतापुर के रहने वाले सात लोग घायल हो गए, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। घटना बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के किलोमीटर-61 पर हुई, जहां वाराणसी से लखनऊ की ओर जा रही पिकअप, जो टेंट का सामान लेकर जा रही थी, ओवरटेक करते समय अन्य वाहन से टकराकर पलट गई। हादसे में घायल हुए लोगों में बाराबंकी के सतरिख क्षेत्र के चालक दीपक (42), बदोसरांय निवासी दीपू (18), और सीतापुर जिले के बिसवां क्षेत्र के सेहरूवा निवासी गफ्फार (19), शिवपाल (27), शौकत अली (35), वीरेंद्र कुमार (18) और राम सिंह (35) शामिल हैं। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सभी घायलों को बाजार शुकुल सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से राम सिंह को नाजुक हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

गोरखपुर में फर्जी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट रैकेट का खुलासा

मास्टरमाइंड के पीछे मुंबई से जुड़े तार

एजेंसी । गोरखपुर

गोरखपुर में फर्जी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस द्वारा जयपुर निवासी संजय गर्ग की गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ कि वह केवल एक बिचौलिया है, जबकि इस पूरे रैकेट का असली मास्टरमाइंड मुंबई में रहने वाला सुमित है। संजय गर्ग, सुमित से नंबर प्लेट का ऑर्डर लेकर उन्हें देशभर में सप्लाई करता था।

संजय गर्ग गिरफ्त में, असली खिलाड़ी सुमित की तलाश तेज

पुलिस अब सुमित की खोज में जुट गई है, जो जयपुर का मूल निवासी है और मुंबई में एक फर्म चलाता है।

देशभर से व्हाट्सएप पर आते थे ऑर्डर

संजय की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके मोबाइल की जांच की, जिसमें कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आईं। करीब पांच घंटे की छानबीन में पता चला कि संजय को हरियाणा, मुंबई, राजस्थान, दिल्ली, यूपी, बिहार, छत्तीसगढ़, नागालैंड, पंजाब सहित अन्य राज्यों से नंबर प्लेट बनाने के ऑर्डर व्हाट्सएप पर मिलते थे। वह प्रत्येक नंबर प्लेट के लिए एक हजार रुपये लेता था और कूरियर के माध्यम से उन्हें भेजता था। पुलिस ने संजय का मोबाइल अपने कब्जे में ले लिया है ताकि इस गिरोह के अन्य तारों का भी पता लगाया जा सके।

सुमित से जुड़ते तारों की तलाश

गिरफ्तारी के बाद संजय ने खुलासा किया कि वह सभी ऑर्डर मुंबई में सुमित को भेजता था, जो फर्जी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट तैयार कर उसे वापस संजय के पास भेज देता था। हालांकि, संजय के पास इस प्रकार के उपकरण नहीं पाए गए, जिससे यह स्पष्ट होता है कि असली निर्माण मुंबई में हो रहा था। अब पुलिस ने सुमित को पकड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कैसे हुआ खुलासा

उत्तर प्रदेश में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट बनाने का ठेका लखनऊ स्थित रोसमेर्टा सेफ्टी सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड को मिला हुआ है। कंपनी को गोरखपुर से फर्जी नंबर प्लेट बनाने की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद 31 जुलाई को रीजनल हेड मोहम्मद सारिक ने कोतवाली थाने में केस दर्ज कराया। जांच में पुलिस ने अलीनगर की एक दुकान पर छापा मारकर रसूलपुर के एहसान अली को गिरफ्तार किया। एहसान ने पुलिस को बताया कि संजय गर्ग को गाड़ी के नंबर भेजने पर कूरियर के माध्यम से फर्जी नंबर प्लेट भेजी जाती थी। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस ने संजय की तलाश शुरू की और अब इस गिरोह को पूरी तरह से खत्म करने के लिए मुंबई के सुमित तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

बलिया नगर पालिका में स्वच्छता मिशन फंड में 2.40 करोड़ की अनियमितता की जांच शुरू

जिलाधिकारी ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी बनाई, जल्द मांगी रिपोर्ट

एजेंसी । बलिया

नगर पालिका में स्वच्छ भारत मिशन के तहत 2.40 करोड़ रुपए के फंड में वित्तीय अनियमितता की जांच के आदेश जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने इस मामले की छानबीन के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसमें नगर मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी, उपजिला मजिस्ट्रेट आत्रेय मिश्रा, और वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद दूबे शामिल हैं। जिलाधिकारी ने समिति से शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

2019-20 और 2022-23 के फंड का उपयोग संदिग्ध

जिलाधिकारी के आदेशानुसार, स्वच्छता अभियान के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट मद में नगर पालिका को वित्तीय वर्ष 2019-20 में एक करोड़ 89 लाख 76 हजार रुपए और 2022-23 में 50 लाख 31 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई थी। अधिशासी अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि यह फंड वाहन और अन्य सफाई सामग्री खरीदने के लिए था, लेकिन अब तक इसका सही तरीके से उपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए जिलाधिकारी को पत्र लिखा, जिसके आधार पर जांच समिति गठित की गई।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट मामले में कार्रवाई जारी

उत्तर प्रदेश में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की फर्जीवाड़े का मामला भी सामने आया है। लखनऊ की रोसमेर्टा सेफ्टी सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के पास गोरखपुर से फर्जी नंबर प्लेट की शिकायतें आ रही थीं। कंपनी के रीजनल हेड ने इस संबंध में थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने अलीनगर स्थित एक दुकान पर छापा मारकर रसूलपुर के एहसान अली को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि एक व्यक्ति जयपुर में इन नंबर प्लेटों को कूरियर से भेजता था।

अखाड़ा परिषद ने नई मान्यता को नकारा

महाकुंभ की तैयारियों के बीच महंत रवींद्र पुरी का बयान, गुरुदत्त अखाड़ा मान्य नहीं

एजेंसी । प्रयागराज

प्रयागराज में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि पंच दशनाम श्रीसंत गुरुदत्त अखाड़े को किसी प्रकार की मान्यता नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि परिषद के 13 अखाड़ों के अलावा कोई नया अखाड़ा गठित नहीं हुआ है और न ही उसे मान्यता दी जाएगी। यह बयान महंत रवींद्र पुरी ने महाकुंभ मेले की तैयारियों की समीक्षा बैठक से पूर्व दिया। उन्होंने कहा कि जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर रहे गोल्डन बाबा के शिष्य आदित्यानंद द्वारा स्थापित इस नए अखाड़े की बात गलत और भ्रामक है।प्रसिद्ध महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी ने रविवार को प्रयागराज पहुंचकर महाकुंभ की दिव्यता और भव्यता की जानकारी दी। बमरौली एयरपोर्ट पर उनके स्वागत में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। उन्होंने बताया कि महाकुंभ में उनके शिविर में श्रीमद्भागवद कथा, प्रवचन, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम, पूजन, हवन, और भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में शिष्य और श्रद्धालु शामिल होंगे। महामंडलेश्वर हिमांगी सखी के शिविर में अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, रूस, नेपाल जैसे देशों से उनके शिष्य और श्रद्धालु परिवार सहित उपस्थित रहेंगे।

व्यापार जगत

दीपक बिल्डर्स का शेयर बाजार में कमजोर शुरुआत

आईपीओ के ग्रे मार्केट प्रीमियम में गिरावट

शेयर ने इश्यू प्राइस से 2.21 प्रतिशत की गिरावट दिखाई

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्लीः पंजाब की इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन कंपनी दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने सोमवार को शेयर बाजार में धीमी शुरुआत की। लिस्टिंग से पहले, दीपक बिल्डर्स के आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (GMP) 15.76 प्रतिशत से अधिक था, जो निवेशकों के लिए मजबूत लिस्टिंग का संकेत दे रहा था। शेयर बाजार में दीपक बिल्डर्स का शेयर BSE पर इश्यू प्राइस से 2.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 198.50 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसके बाद यह 15.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 170.90 रुपए पर पहुंच गया। NSE पर यह 1.47 प्रतिशत की कमी के साथ 200 रुपए पर खुला। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 824.71 करोड़ रुपए रहा।

आईपीओ में मिला निवेशकों का जबरदस्त समर्थन

दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स इंडिया का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गत बुधवार को निर्गम के अंतिम दिन तक 41.54 गुना सब्सक्रिप्शन हासिल कर चुका था। इस आईपीओ में 1.07 करोड़ नए शेयर और 21,10,000 शेयर की बिक्री पेशकश (OFS) शामिल थी। इसके लिए 192-203 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड निर्धारित किया गया था।

आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग

कंपनी ने बताया है कि आईपीओ से मिलने वाली राशि का 30 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज चुकाने के लिए किया जाएगा। वहीं, 111.96 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में लगाए जाएंगे। शेष राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। दीपक बिल्डर्स का मुकाबला इरकॉन इंटरनेशनल, अहलूवालिया कॉन्ट्रैक्ट्स, पीएसपी प्रोजेक्ट्स और ITD सीमेंटेशन जैसी लिस्टेड कंपनियों से है। कंपनी वर्तमान में 12 प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है, जिनमें 6 कंस्ट्रक्शन और 6 इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट शामिल हैं। जून 2024 तक, कंपनी की ऑर्डरबुक 1380 .4 करोड़ रुपये की थी।

CMS Info Systems के शेयरों में 13% की गिरावट

EBITDA मार्जिन में कमी का असर

कंपनी के Q2 परिणामों ने निवेशकों को किया प्रभावित

एजेंसी । नई दिल्ली

सोमवार को CMS Info Systems के शेयरों में 13% की गिरावट आई, जो 503 प्रति शेयर के इंट्राडे निचले स्तर पर पहुंच गए। यह गिरावट कंपनी के दूसरे तिमाही के परिणामों में EBITDA मार्जिन में कमी के कारण हुई है। दोपहर 12:34 बजे के आसपास, CMS Info Systems के शेयर 508.1 पर ट्रेड कर रहे थे, जो 12.16% की गिरावट दर्शाता है। इस समय, BSE सेंसेक्स 1.36% की बढ़त के साथ 80,478.69 पर था, जबकि कंपनी का मार्केट कैप 8,291.34 करोड़ था।

तिमाही परिणाम: मुनाफा और राजस्व में वृद्धि, लेकिन मार्जिन में कमी

CMS Info Systems ने शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद अपनी वित्तीय रिपोर्ट जारी की। सितंबर 30 को समाप्त तिमाही में कंपनी ने 90 .9 करोड़ का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 84 .4 करोड़ था। इस प्रकार, मुनाफे में 7 .7% की वृद्धि हुई। कंपनी का राजस्व 624 .5 करोड़ रहा, जो साल-दर-साल (Y-o-Y) आधार पर 14 .8% की बढ़त दर्शाता है, जबकि पिछले वर्ष यह 543 .7 करोड़ था। EBITDA इस तिमाही में 153 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5% की वृद्धि को दर्शाता है। हालाँकि, EBITDA मार्जिन 230 बेसिस पॉइंट्स घटकर 24 .5% हो गया, जो एक साल पहले 26 .8% था। CMS Info Systems के एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन और सीईओ राजीव कौल ने बताया कि कंपनी के मैनेज्ड सर्विसेज और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस सेगमेंट में 30% की वृद्धि हुई है, जिससे पहले छमाही में इसका राजस्व 500 करोड़ से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा, "हम AIoT RMS का उपयोग BFSI क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी कर रहे हैं।

पंजाब नेशनल बैंक का मुनाफा दोगुना

एजेंसी । नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक (PNB) ने सोमवार को अपनी वित्तीय स्थिति के तिमाही परिणामों का ऐलान किया, जिसमें बताया गया कि 2024-25 की दूसरी तिमाही में बैंक का मुनाफा 4,306 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,756 करोड़ रुपए के मुकाबले दो गुना से अधिक है। रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, सितम्बर तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय 34,447 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में

29,383 करोड़ रुपए थी। बैंक ने ब्याज से होने वाली आय में भी वृद्धि दर्ज की, जो 29,875 करोड़ रुपए रही, जबकि एक साल पहले यह 26,355 करोड़ रुपए थी। बैंक के एसेट क्वालिटी के मोर्चे पर सुधार भी देखने को मिला है। ग्रॉस नॉन-परफार्मिंग एसेट (NPAs) एक साल पहले के 6.96 प्रतिशत से घटकर सितम्बर तिमाही में 4.48 प्रतिशत हो गया। वहीं, शुद्ध एनपीए 1.47 प्रतिशत से घटकर 0.46 प्रतिशत पर आ गया है। बैंक का कंसोलिडेट मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 4,714 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1,990 करोड़ रुपए था। बैंक ने बोर्ड की मंजूरी के अनुसार 350 करोड़ रुपए का फ्लोटिंग प्रावधान भी किया है, जिससे 30 सितंबर तक बैंक के पास 500 करोड़ रुपए का फ्लोटिंग प्रावधान हो गया है।

धनतेरस पर सोने-चांदी में निवेश करने वाले मालामाल हुए

एजेंसी । नई दिल्ली

पिछले साल धनतेरस के मौके पर सोने और चांदी में निवेश करने वालों को तगड़ा मुनाफा हुआ है। बीते एक साल में सोने ने अपने निवेशकों को 33 फीसदी और चांदी ने 40 फीसदी के करीब रिटर्न दिया है। आंकड़ों के अनुसार, चांदी ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए सोने और शेयर बाजार से भी सबसे ज्यादा मुनाफा कराया है। पिछले साल धनतेरस 10 नवंबर को था। तब सोने की कीमत 61,000रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास थी। अब कीमत बढ़कर 80,000रुपए से अधिक हो गई। इस साल सोने की कीमतों में 31.33 फीसदी से अधिक का उछाल आया है। इसी तरह चांदी का भाव पिछले धनतेरस को 70 हजाररुपए प्रतिकिलो के करीब था, जो जनवरी 2024 तक 73,000रुपए तक पहुंच गया। बीते 10 माह में कीमत एक लाख को पार कर गई हैं। चालू कैलेंडर वर्ष में चांदी के भाव 35 फीसदी से अधिक चढ़े हैं।

साढ़े चार दशक का रिकॉर्ड तोड़ा

पिछले साढ़े चार दशक यानी 45 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो सोने और चांदी ने साल 2024 में सबसे ज्यादा बढ़त का रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले साल 2007 में सोना करीब 31% चढ़ा था। वहीं, सबसे तेज 133 फीसदी की वृद्धि वर्ष 1979 में दर्ज की गई थी। इस साल को खत्म होने में अभी दो महीने से ज्यादा का समय है। अगर कीकीमतें बढ़ती हैं तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना अटूट रिकॉर्ड हासिल कर सकता है।

शेयर बाजार को भी पछाड़ा

मौजूदा साल में चांदी ने सोने, सेंसेक्स और निफ्टी के मुकाबले सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इस साल शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव आए। सबसे अधिक गिरावट अक्तूबर में देखने को मिली है। सेंसेक्स और निफ्टी करीब छह फीसदी तक टूट चुके हैं। इस गिरावट के बावजूद सेंसेक्स ने मौजूदा साल में 9 .91 फीसदी और निफ्टी ने 11 .27 फीसदी का रिटर्न दिया है।

चांदी का भी शानदार प्रदर्शन

यह साल चांदी के निवेशकों के लिए बीते 10 साल में सबसे अधिक अच्छा रहा है। पिछले साल के धनतेरस से अब तक चांदी 40 फीसदी के करीब बढ़ चुकी है। इससे पिछले साल चांदी में 21 .56 फीसदी की बढ़त रही। 2020 के धनतेरस में चांदी ने 35 .49 फीसदी का रिटर्न दिया था। साल 2012 के बाद से अबतक चांदी ने छह बार मुनाफा और छह बार ही नुकसान भी कराया है।

चैंपियंस ट्रॉफी

सलीमा टेटे को महिला टीम की कमान

एजेंसी । नई दिल्ली

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सलीमा टेटे की अगुआई में सोमवार को 18 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी गई। बिहार के नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में 11 से 20 नवंबर तक होने वाले टूर्नामेंट में नवनीत कौर उपकप्तान होंगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 11 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ करेगा।

हम गत चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। हमने कड़ी ट्रेनिंग की है। हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के साथ एक मजबूत टीम है। हमारा लक्ष्य अपने खिताब की रक्षा करना और उसी जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ खेलना है जो हमने पिछले साल दिखाया था।

-सलीमा टेटे, भारतीय कप्तान

आसान नहीं खिताब बचाना

भारत ने पिछले साल रांची में हुए आयोजन में खिताब जीता था लेकिन उसके बाद से टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई है। ऐसे में मेजबान टीम के लिए खिताब बचाना आसान नहीं होगा। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में टीम को मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित पांच अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। टीम में गोलकीपर की भूमिका अनुभवी सविता और उभरती प्रतिभा बिचू देवी खारीबाम साझा करेंगी। रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी उदिता, ज्योति, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम और वैष्णवी विट्ठल फाल्के के पास होगी। मध्य पंक्ति में टेटे का साथ नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, और लालरेम्सियामी टीम को मजबूती प्रदान करेंगी। अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, प्रीति दुबे और ब्यूटी डुंगडुंग टीम की मारक क्षमता को बढ़ाएंगी।

चोट से वापसी

सुशीला और ब्यूटी चोट से उबरने के बाद टीम से वापसी कर रही हैं। भारतीय उपकप्तान नवनीत ने कहा, हमें अपनी तैयारी और एक दूसरे के साथ पर भरोसा है। अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना उत्साहजनक है और हम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार हैं। सलीमा के साथ खेलने का अनुभव बहुत अच्छा रहा और हम इस टूर्नामेंट को यादगार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय टीम

गोलकीपर : सविता, बिचू देवी खारीबाम। **डिफेंडर :** उदिता, ज्योति, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुशीला चानू पुखरामबम, इशिका चौधरी। **मिडफील्डर :** नेहा, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, लालरेम्सियामी। **फॉरवर्ड :** नवनीत कौर, प्रीति दुबे, संगीता कुमारी, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग।

सालाह के गोल ने लिवरपूल को हार से बचाया, पर शीर्ष स्थान से चूका

- इंग्लिश प्रीमियर लीग में आर्सेनल के खिलाफ 2-2 से खेलना पड़ा ड्रॉ
- तालिका में मैनचेस्टर सिटी से एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर मौजूद

नंबर गेम

- 22 अंक लेकर लिवरपूल की टीम तालिका में दूसरे स्थान पर है
- 05 गोल अब तक मोहम्मद सालाह ईपीएल के नौ मैच में कर चुके

एजेंसी । लंदन

स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सालाह ने शानदार खेल की मदद से अंतिम समय में गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल चैंपियनशिप में लिवरपूल को हार से बचा लिया। रविवार को खेले गए मैच में दो बार पिछड़ने के बाद आखिरकार लिवरपूल ने आर्सेनल को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया।

दो अंक से पिछड़ी

लेकिन ड्रॉ खेलने के कारण टीम प्रीमियर लीग की अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंचने से चूक गई। टीम अभी नौ मैच में सात जीत, एक हार और एक ड्रॉ से 22 अंक लेकर शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी के बाद दूसरे स्थान पर है। टीम अगर जीतती तो 24 अंक के साथ शीर्ष पर होती। मैच के अंतिम क्षणों में जब लिवरपूल 1-2 के स्कोर से पीछे था, तब सलाह ने 81वें मिनट में दूसरा बराबरी का गोल किया। लिवरपूल ने इस तरह अपना शानदार अभियान जारी रखा। आर्ने स्लॉट के मुख्य कोच बनने के बाद लिवरपूल में इस सत्र में जो 13 मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा।

युनाइटेड हारा

मैनचेस्टर युनाइटेड के साथ कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है। उसे वेस्ट हैम से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। जब खेल खत्म होने में कुछ मिनट का खेल बचा था तब वीडियो समीक्षा प्रणाली से वेस्ट हैम को पेनाल्टी मिली जिसे जारोड बोवेन ने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। अन्य मैचों में चेल्सी न न्यूकैसल को 2-1 से जबकि क्रिस्टल पैलेस ने टॉटेनहम को 1-0 से शिकस्त दी।।

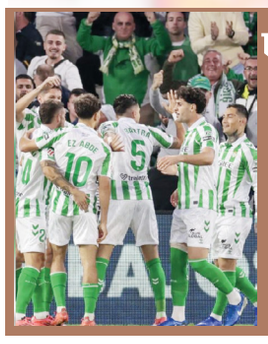

एटलेटिको मैड्रिड आत्मघाती गोल से हारा

मैड्रिड। एटलेटिको मैड्रिड स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा में रियाल बेटिस से 0-1 से हार गया। मैच समाप्त होने में जब पांच मिनट आत्मघाती गोल के कारण से भी कम समय था तब लगातार दूसरी हार तय कर डिफेंडर जोस मारिया जिमेनेज के आत्मघाती गोल ने एटलेटिको की एक मैच जीत पाया है। उसने दी। एटलेटिको मैड्रिड सभी प्रतियोगिताओं में पिछले छह मैचों में केवल इससे पहले उसने घरेलू मैदान पिछले सप्ताहांत स्पेनिश लीग में लेगानेस को 3-1 से हराया था। चैंपियंस लीग में बेनफिका से उसे पर रियाल मैड्रिड और रियाल सोसिदाद से ड्रॉ खेला था जबकि से 10 अंक पीछे, 20 अंक के साथ 1-4 से हार मिली थी। एटलेटिको शीर्ष पर चल रहे बार्सिलोना चौथे स्थान पर है।

मुंबई में बचेगी टीम इंडिया की लाज!

एजेंसी । मुंबई

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का अब तीसरा और आखिरी मैच बचा है। ये मुकाबला एक नवंबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होना है। सीरीज तो पहले ही टीम इंडिया का हार चुकी है, अब कहीं सूपड़ा साफ ना हो जाए, इससे बचना है। इस बीच मुंबई से राहत की खबर आ रही है। हो सकता है कि टीम इंडिया यहां पर मैच जीत जाए। क्योंकि पिछले कई साल से ये भारत का टेस्ट क्रिकेट में अजेय किला बना हुआ है। चलिए जरा यहां के आंकड़ों की बात की जाए।

टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को इसी स्टेडियम पर साल 2021 में हराया था

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आखिरी टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ ही साल 2021 में खेला गया था। तब भारत ने इस मैच को 372 रन से जीता था। उसके बाद अब यहां टेस्ट मैच होना है। इससे भी पहले की बात की जाए तो साल 2016 में यहां भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच हुआ था। तब भारत ने इस मैच को पारी और 36 रन से अपने नाम किया था।

आखिरी बार भारतीय टीम यहां साल 2012 में हारी थी

साल 2013 में भी भारत ने यहां पर टेस्ट मैच अपने नाम किया था। तब सामने इंग्लैंड की टीम थी और भारत ने इस मैच को पारी और 36 रन से अपने नाम किया था। यानी पिछले करीब 11 साल से भारतीय टीम यहां कोई भी टेस्ट नहीं हारी है। भारतीय टीम को यहां आखिरी बार टेस्ट में हार साल 2012 में मिली थी। तब इंग्लैंड ने टीम इंडिया को मुंबई में 10 विकेट से करारी शिकस्त दी थी।

बल्लेबाज चले तो टीम इंडिया के लिए जीत ज्यादा दूर नहीं

ऐसे में अगर देखा जाए तो भारत के पास मौका होगा कि सीरीज में सूपड़ा साफ होने से बचाया जाए। ये एक बेहतर मौका होगा, लेकिन इसके लिए जरूरी होगा कि भारतीय टीम बल्लेबाजी बेहतर करे। पिछले दो टेस्ट जो टीम इंडिया हारी है, उसमें गेंदबाजी तो अच्छी हुई है, लेकिन बल्लेबाज अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभा पा रहे हैं। खास तौर पर सीनियर खिलाड़ियों में शुमार रोहित शर्मा और विराट कोहली से बड़ी और लंबी पारी की उम्मीद है, जो नहीं आ रही है। अब देखना होगा कि मुंबई में भारतीय टीम कैसा प्रदर्शन करती है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या से सदमे में सलमान खान

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और NCP नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद से उनके सबसे करीबी दोस्त और अभिनेता सलमान खान सकते में हैं। उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि अब उनका अजीज दोस्त इस दुनिया में नहीं है। अब इस बीच हाल में सिद्दीकी के बेटे और नेता जीशान सिद्दीकी ने खुलासा किया कि उनके पिता की हत्या के बाद से ही सलमान की रातों की नींद गायब हो गई है।

जीशान से लगातार बात करते हैं सलमान

जीशान ने कहा, पिताजी की हत्या के बाद से सलमान भाई बहुत दुखी हैं। पिताजी और सलमान सगे भाइयों की तरह एक-दूसरे के करीब थे। पिताजी की मृत्यु के बाद भाई ने बहुत साथ दिया। वह हमेशा मेरा हालचाल पूछते हैं। हर रात वह मुझसे नींद न आने के बारे में बात करते हैं। मेरे और मेरे परिवार के लिए उनका समर्थन हमेशा बना रहता है।

बेहद करीबी दोस्त थे सलमान-सिद्दीकी

सिद्दीकी, सलमान के लिए सिर्फ दोस्त ही नहीं, बल्कि एक परिवार जैसे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेता बनने से पहले सिद्दीकी अपने पिता संग उनके घड़ी बनाने के काम में हाथ बंटाया करते थे। फिर वह मुंबई युवा कांग्रेस के महासचिव बन गए। इसके बाद सिद्दीकी, अभिनेता और कांग्रेस नेता सुनील दत्त के करीब आ गए। सुनील से ही प्रेरित होकर ही उन्होंने इफ्तार पार्टी की शुरुआत की थी। इसके बाद धीरे-धीरे उनका नाता पूरे बॉलीवुड से जुड़ गया।

'बड़े अच्छे लगते हैं' का टीवी पर फिर होगा प्रसारण

साक्षी तंवर और राम कपूर के शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' को खूब पसंद किया गया था। दोनों की केमिस्ट्री को लोगों का बेशुमार प्यार मिला था। यह शो 30 मई, 2011 को रिलीज हुआ था और यह लगभग 3 साल तक चला। अब लगभग 13 साल बाद 'बड़े अच्छे लगते हैं' का प्रसारण एक बार फिर टीवी पर होने जा रहा है।

'बड़े अच्छे लगते हैं' को आप 11 नवंबर से रात 8:30 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर देख सकते हैं। OTT प्लेटफॉर्म ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर प्रोमो वीडियो साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'हम सबके पसंदीदा जोड़े आ रहे हैं फिर एक बार।' 'बड़े अच्छे लगते हैं' के अब तक 3 सीजन आ चुके हैं। पिछले दोनों सीजन में अभिनेता नकुल मेहता और अभिनेत्री दिशा परमार की जोड़ी नजर आई थी।

'लव एंड वॉर' का भव्य सेट तैयार

संजय लीला भंसाली पिछली बार अपने करियर की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी' लेकर आए थे, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। इन दिनों भंसाली अपनी फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें विक्की कौशल, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। तीनों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं। अब 'लव एंड वॉर' की शूटिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है।

सामने आई ये जानकारी

रिपोर्ट के मुताबिक, 'लव एंड वॉर' का भव्य सेट मुंबई में बनकर तैयार हो गया है। रणबीर 7 नवंबर से फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। अभिनेता कुछ हफ्तों तक अपने सीक्वेंस की शूटिंग करेंगे और फिर उसके बाद विक्की उनके साथ शामिल हो जाएंगे। उधर, आलिया इन दिनों फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग में व्यस्त हैं और वह दिसंबर तक अपनी फिल्म की शूटिंग खत्म कर देंगी। इसके बाद आलिया 'लव एंड वॉर' की शूटिंग शुरू करेंगी।

अनुपम खेर की 'विजय 69' का पहला पोस्टर आया सामने

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर को पिछली बार फिल्म 'द सिगनेचर' में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। यह फिल्म 4 अक्टूबर, 2024 को ZEE5 पर रिलीज हुई थी। अब अनुपम फिल्म 'विजय 69' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। इसके निर्देशन की कमान अक्षय रॉय ने संभाली है, जिन्हें ऋतिक रोशन की फिल्म 'लक्ष्य' के लिए जाना जाता है। अब निर्माताओं ने 'विजय 69' का पहला पोस्टर जारी कर दिया है। 'विजय 69' का ट्रेलर 29 अक्टूबर को रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का प्रीमियर OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होगा। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। निर्माताओं ने पहला पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'इन्हें सपने ने जिंदा रखा, फिर सपनों ने इन्हें जिंदा रखा है।' फिल्म की कहानी एक ऐसे व्यक्ति की जिंदगी पर आधारित होगी, जो 69 साल की उम्र में एक ट्रायथलॉन प्रतियोगिता में भाग लेने का फैसला करता है।

'जीरो से रीस्टार्ट' की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

जाने-माने निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जीरो से रीस्टार्ट' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह सुपरहिट फिल्म '12वीं फेल' बनने के पीछे की कहानी से दर्शकों को रूबरू करवाएंगे। यह फिल्म 2023 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। IPS अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की जिंदगी पर बनी इस फिल्म में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। अब 'जीरो से रीस्टार्ट' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।

13 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

'जीरो से रीस्टार्ट' 13 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। टी-सीरीज ने वीडियो साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आपने '12वीं फेल' देखी और पसंद की। अब जानिए कि यह फिल्म कैसे कभी बन ही नहीं पाई और एक ऐसे फिल्म निर्माता के बारे में जिसने कभी हार नहीं मानी।' विनोद इस फिल्म के जरिए बताना चाहते हैं कि '12वीं फेल' बनाने के लिए उन्होंने कितनी मुश्किलों का सामना किया था।

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का व्यावहारिक दृष्टिकोण

बीजेपी ही नहीं, 40 साल से कोई भी पार्टी अकेले नहीं बना सकी सरकार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की सियासी सरगर्मी के बीच डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का एक बयान चर्चा के केंद्र में है कि बीजेपी अकेले दम पर महाराष्ट्र चुनाव नहीं जीत सकती है, लेकिन सबसे ज्यादा सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी जरूर होगी. फडणवीस ने कहा कि हमें जमीनी हकीकत को लेकर व्यावहारिक होना पड़ेगा. उन्होंने विश्वास जताया कि बीजेपी, शिवसेना, एनसीपी और आरपीआई मिलकर सरकार बनाएंगी. महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर 145 का बहुमत हासिल करना किसी भी एक दल के लिए चुनौती बना हुआ है। 1985 में कांग्रेस ने यह आंकड़ा आखिरी बार छुआ था, और तब से महाराष्ट्र में हर सरकार गठबंधन या समर्थन पर आधारित रही है। बीजेपी और कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दलों ने भी क्षेत्रीय छत्रपों के साथ गठबंधन का सहारा लेकर ही सरकार बनाई है। फडणवीस का बयान इस जमीनी हकीकत की समझ को दर्शाता है, जहां बीजेपी अकेले दम पर बहुमत तो नहीं ला सकती, लेकिन अन्य दलों के साथ मिलकर सत्ता में बनी रह सकती है। यह व्यावहारिक दृष्टिकोण महाराष्ट्र की राजनीति की उस पृष्ठभूमि से जुड़ा है जिसमें क्षेत्रीय ताकतों का बड़ा योगदान रहा है। खासकर शिवसेना, एनसीपी, और आरपीआई जैसी पार्टियों का प्रभाव चुनावी समीकरणों को साधने में अहम भूमिका निभाता है, और फडणवीस ने इसी हकीकत को स्वीकार करते हुए अपने गठबंधन सहयोगियों के समर्थन से सरकार बनाने का विश्वास जताया है। महाराष्ट्र की यह राजनीति इसलिए भी अनूठी है कि यहां अक्सर विरोधी विचारधाराओं वाले दल भी सत्ता में साझेदार बने हैं, जिससे गठबंधन की राजनीति एक स्थायी परंपरा बन चुकी है।

विश्लेषण

अरुण लाल

अकेले दम पर बहुमत नहीं मिली

महाराष्ट्र की राजनीति की जटिलता का एक बड़ा कारण राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में राजनीतिक समीकरणों का अलग-अलग होना है। राज्य को छह प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है :

- विदर्भ : 62 सीटें
- मराठवाड़ा : 46 सीटें
- पश्चिमी महाराष्ट्र : 70 सीटें
- मुंबई क्षेत्र : 36 सीटें
- ठाणे-कोंकण : 39 सीटें
- उत्तरी महाराष्ट्र : 35 सीटें

हर क्षेत्र में अलग-अलग पार्टियों का प्रभाव है, जिससे कोई एक पार्टी पूरे राज्य में सशक्त रूप से स्थापित नहीं हो सकी है। पिछले 40 सालों में कोई भी पार्टी अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में असफल रही है। उदाहरण के लिए, विदर्भ में आमतौर पर कांग्रेस और एनसीपी का प्रभाव ज्यादा रहा है, जबकि पश्चिमी महाराष्ट्र में शिवसेना और बीजेपी का मजबूत आधार है। मुंबई और ठाणे में शिवसेना का परंपरागत प्रभाव है, वहीं मराठवाड़ा में अलग-अलग दलों का उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है।

इस क्षेत्रीय विविधता ने गठबंधन की राजनीति को बढ़ावा दिया है, जिससे राजनीतिक दलों को एकजुट होकर चुनाव लड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस कारण से, महाराष्ट्र की राजनीति में चुनाव परिणाम अक्सर अप्रत्याशित होते हैं, और किसी एक पार्टी के लिए बहुमत प्राप्त करना कठिन हो जाता है।

ऐसा है महाराष्ट्र का वोटिंग पैटर्न

महाराष्ट्र का वोटिंग पैटर्न वास्तव में क्षेत्रीय विविधता और सामाजिक-आर्थिक कारकों का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे हर क्षेत्र की राजनीतिक प्राथमिकताएं और वोटिंग व्यवहार अलग-अलग बनते हैं। विभिन्न इलाकों में राजनीतिक समीकरण इस प्रकार हैं :

विदर्भ : यहाँ बीजेपी और कांग्रेस के बीच प्रतिस्पर्धा होती है, जिसमें दोनों दलों के बीच राजनीतिक गतिविधियाँ और वोटों का बंटवारा स्पष्ट है। विदर्भ की समस्या जैसे सूखा, कृषि संकट आदि ने इस क्षेत्र की राजनीति को प्रभावित किया है।

पश्चिमी महाराष्ट्र : इस क्षेत्र में एनसीपी की मजबूत उपस्थिति रही है। यहाँ किसानों और सहकारी आंदोलनों का बड़ा प्रभाव है, जो एनसीपी को समर्थन प्रदान करता है।

मराठवाड़ा : यहाँ भी एनसीपी की स्थिति मजबूत है, लेकिन बीजेपी ने इस क्षेत्र में अपने वोट बैंक को बढ़ाने का प्रयास किया है।

कोंकण और मुंबई बेल्ट : इस क्षेत्र में शिवसेना और कांग्रेस के बीच प्रमुख मुकाबला होता रहा है। शिवसेना का मराठी मानुष पर जोर और स्थानीय मुद्दों पर आधारित राजनीति ने इसे इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण बनाया है।

उत्तर महाराष्ट्र : यहाँ बीजेपी और कांग्रेस के बीच मुकाबला होता है। बीजेपी ने अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए स्थानीय मुद्दों

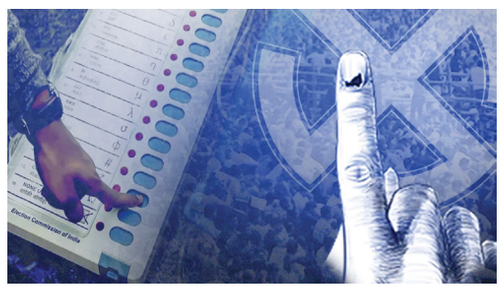

का लाभ उठाने का प्रयास किया है।

इन विविधताओं के कारण, महाराष्ट्र में किसी एक पार्टी के लिए पूर्ण बहुमत हासिल करना मुश्किल रहा है। जाति, क्षेत्रीयता, और स्थानीय मुद्दे वोटिंग पैटर्न को प्रभावित करते हैं, जिससे चुनाव परिणाम अक्सर अप्रत्याशित होते हैं। यह राजनीतिक परिदृश्य विभिन्न दलों को गठबंधन की राजनीति की ओर ले जाता है, जिससे चुनावी समीकरणों में जटिलता बढ़ती है।

हमेशा बनीं गठबंधन की सरकारें

महाराष्ट्र की राजनीति में, कई प्रमुख नेता जैसे शरद पवार और बालासाहेब ठाकरे ने अपने-अपने बलबूते पर कभी भी सरकार बनाने में सफलता नहीं पाई। शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई, लेकिन कई चुनावों के बावजूद 74 सीटों से ज्यादा जीतने में सफल नहीं हो पाए। इसी तरह, बालासाहेब ठाकरे ने भी शिवसेना के माध्यम से कई बार चुनाव लड़ा, लेकिन स्वतंत्र रूप से सरकार बनाने में असफल रहे। बीजेपी की भी यही स्थिति रही है; उसने कभी अपने बलबूते पर महाराष्ट्र में सरकार नहीं बनाई। बीजेपी ने हमेशा शिवसेना जैसे क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ा और गठबंधन की राजनीति पर निर्भर रही है। महाराष्ट्र में विभिन्न जाति, क्षेत्र और राजनीतिक समीकरणों के कारण, एक विशिष्ट स्थिति में सरकार बनाने के लिए गठबंधन की आवश्यकता पड़ती है। यही वजह है कि कांग्रेस और बीजेपी जैसे राष्ट्रीय दल भी महाराष्ट्र में गठबंधन के माध्यम से सत्ता में आने का सपना देख रहे हैं। यह गठबंधन की राजनीति न केवल महाराष्ट्र में, बल्कि पूरे देश में महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि किसी भी एक पार्टी का एकल बहुमत प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। इस परिदृश्य ने राजनीतिक दलों को एक-दूसरे के साथ सहयोग करने के लिए मजबूर किया है, जिससे सत्ता में आने के लिए रणनीतिक गठबंधन आवश्यक हो गए हैं।

चुनावी चकल्लस

नीलम रामअवध

अजित पवार का इमोशनल दांव

महाराष्ट्र के डेप्युटी सीएम अजित पवार ने अपने ही चाचा शरद पवार पर परिवार में फूट डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि शरद पवार ने उनके खिलाफ बारामती सीट से परिवार के ही एक सदस्य को खड़ा करके 'निम्न स्तर की राजनीति' की है। सोमवार को बारामती विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए अजित पवार भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी अपनी गलती मानी थी, लेकिन लगता है कि अब गलती दूसरे कर रहे हैं।

चुनाव पूर्व हार स्वीकार

शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से औरंगाबाद सेंट्रल के उम्मीदवार किशनचंद तनवानी ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उद्धव ठाकरे में उन्होंने पहली लिस्ट में औरंगाबाद सेंट्रल से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया था। उन्होंने घोषणा की कि वह लड़की-बहना सभी समुदायों की सुरक्षा और उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए एकनाथ शिंदे का समर्थन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि एमवीए इस चुनाव में बुरी तरह हार रही है। यह यूबीटी की मजबूत सीट थी। उन्होंने अपने चुनाव न लड़ने के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हां मैंने आज ऐलान किया है। मैं सेंट्रल सीट से चुनाव नहीं लड़ूंगा। उद्धव साहब ने मुझे उम्मीदवार बनाया, मैं सात दिनों से पूरे शहर में घूम रहा हूं, देख रहा हूं। मुझे 2014 जैसी परिस्थिति दिख रही है और 2014 जैसी स्थिति न हो इसके लिए मैं चुनाव नहीं लड़ रहा हूं।

नवाब मलिक आज खोलेंगे पत्ते

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मंगलवार को नामांकन की आखिरी तारीख है। सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी में राज्य की कई सीटों पर उम्मीदवारों को लेकर मंथन चल रहा है। इस बीच, अजित गुट के NCP नेता नवाब मलिक ने ऐलान किया है कि वो आज अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे और अपने पत्ते खोलेंगे। दरअसल, नवाब मलिक की उम्मीदवारी को लेकर लंबे समय से सस्पेंस बना हुआ है। वे पांच बार के विधायक हैं और इस समय अणुशक्तिनगर सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस बार अजित पवार की एनसीपी ने इस सीट से नवाब मलिक की बेटी सना मलिक को टिकट दिया है। इसी सीट से शरद पवार खेमे ने बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर के पति फहाद अहमद को टिकट दिया है।

हॉट सीट : दिंडोशी सीट

संजय निरुपम और सुनील प्रभु में 'हाई-वोल्टेज' मुकाबला

पूर्व सांसद संजय निरुपम मुंबई की दिंडोशी सीट से शिवसेना के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे. संजय निरुपम भी पहले मुंबई में कांग्रेस का सबसे बड़ा चेहरा थे. वो शिवसेना में शामिल होने से पहले काफी समय से कांग्रेस की महाराष्ट्र यूनिट के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहे थे. एक दो बार उन्होंने पार्टी आलाकमान पर भी निशाना साधा था. जिसके बाद उनकी वहां से छुट्टी तय मानी जा रही थी. इस बीच उन्होंने मौके की नजाकत को समझते हुए कांग्रेस को 'टाटा' कर दिया शिंदे शिंदे गट की शिवसेना में आए गए। संजय निरुपम को शिवसेना ने डिंडोशी से टिकट दिया है. ऐसे में दिंडोशी सीट भी हॉट सीट बन गई है. दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना(उबाठा) ने सुनील प्रभु को एक बार फिर विधानसभा चुनाव लड़ने का मौका दिया है। ऐसे में दिंडोशी सीट भी हॉट सीट बन गई है. इस स्थिति में, दिंडोशी सीट पर मुकाबला दिलचस्प होगा, जहां दोनों दलों के बीच कांटेदार टक्कर की उम्मीद है।

दिंडोशी विधानसभा चुनाव 2019 का इतिहास

साल 2019 में हुए डिंडोसी विधानसभा चुनाव की बात करें तो यहां से एसएचएस पार्टी के उम्मीदवार सुनील प्रभु ने जीत दर्ज की थी। वहीं एनसीपी की विद्या चाव्हाड़ दूसरे नंबर पर रही थीं। इस दौरान सुनील प्रभु को 82,203 और विद्या चाव्हाड़ को 37,692 वोट मिले थे। इसके अलावा एमएनएस को अरुण धोंडीराम सुर्वे को 25,854, वीबीए के सिद्धार्थ आत्माराम कांबले को 3,326 वोट मिले थे। इस दौरान कुल 1,56,300 वोट पड़े थे। यानी कुल 55 .49 फीसदी मतदान हुआ था।

दिंडोशी विधानसभा चुनाव 2014 का इतिहास

अगर साल 2014 में हुए विधानसभा चुनाव की बात करें तो इस दौरान एसएचएस पार्टी के सुनील प्रभु ने जीत दर्ज की थी। वहीं कांग्रेस पार्टी के राजहंस सिंह इस सीट से दूसरे स्थान पर रहे थे। सुनील प्रभु को उस दौरान 56,577 वोट मिले थे। वहीं राजहंस सिंह को 36,749 वोट मिले थे। इसके अलावा भाजपा के मोहित कंबोज को 36,169, एमएनएस की उम्मीदवार शालिनी ठाकरे को 14,662, एनसीपी के अजित रावराणे को 8,550, एआईएमआईएम के हुसैन इस्माइल ताज ने 1,637 वोट मिले थे। बता दें कि इस दौरान कुल 1,59,556 वोट पड़े थे, यानि कुल 53 .63 फीसदी मतदान देखने को मिला था।

धीरज सिंह

महा विकास अघाड़ी या महायुति?

महाराष्ट्र चुनाव में दलित वोटर किसकी नैया करेंगे पार?

रणनीति

दीपक पवार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विभिन्न जाति समूहों के वोटरों की चर्चा तो हो रही है, जैसे मराठा-ओबीसी, धनगर-आदिवासी, और मुस्लिम-अल्पसंख्यक, लेकिन दलित वोटर काफी हद तक खामोश हैं। रामदास आठवले की रिपब्लिकन पार्टी (आरपीआई-ए) महायुति, जिसमें बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट), और एनसीपी (अजीत पवार) शामिल हैं, का हिस्सा है, लेकिन इस गठबंधन में उनकी कोई खास अहमियत नहीं है। आठवले ने देवेंद्र फडणवीस से 12 सीटों की मांग की थी, लेकिन उनकी मांग को नजरअंदाज कर दिया गया। महायुति में सीटों के बंटवारे की चर्चा में ना तो उन्हें शामिल किया गया और ना ही उनके लिए कोई सीट सुरक्षित की गई। इससे दलित कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है, और रामदास आठवले भी सार्वजनिक रूप से अपनी असंतोष व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज़ सुनने वाला कोई नहीं है। यह स्थिति महायुति में दलितों के प्रति बेरुखी को दर्शाती है, खासकर तब जब पिछले लोकसभा चुनाव में दलित वोटरों ने बीजेपी के 'अबकी बार 400 पार' के लक्ष्य को ध्वस्त कर दिया था। ऐसे में यह सवाल उठता है कि गठबंधन में दलितों की अनदेखी क्यों की जा रही है, और क्या यह स्थिति आगामी चुनावों में दलित वोटों को प्रभावित करेगी।

महाराष्ट्र में दलित वोटों का गणित

महाराष्ट्र में दलित वोटों का गणित चुनावी परिणामों को महत्वपूर्ण तरीके से प्रभावित कर सकता है। 2011 की जनगणना के अनुसार, महाराष्ट्र में दलितों की आबादी 11 .81% थी, और 2024 तक यह लगभग 15% के आसपास होने का अनुमान है। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से 29 सीटें अनुसूचित जातियों (SC) के लिए आरक्षित हैं। हर एक सीट पर औसतन 15,000 दलित वोटर होते हैं। इसके अलावा, 67 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां दलित आबादी 15% से अधिक है, जो औसतन 18% के आसपास है। 2019 के चुनाव परिणामों के अनुसार, बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट), और एनसीपी (अजीत पवार) ने 29 आरक्षित SC सीटों में से 21 सीटें जीतीं, जबकि महा विकास आघाड़ी ने केवल 8 सीटें जीतीं। इस आंकड़े से स्पष्ट है कि दलित वोटर चुनावी परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अगर दलित समुदाय एकजुट होकर किसी पार्टी को समर्थन देता है, तो यह न केवल रिजर्व सीटों पर बल्कि सामान्य सीटों पर भी परिणामों को प्रभावित कर सकता है। दलितों की अनदेखी या उनकी नाराजगी को सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए एक बड़ा जोखिम माना जा सकता है।

लोकसभा चुनाव के बाद बदली है तस्वीर

पिछले लोकसभा चुनाव में दलितों के लिए आरक्षित सभी पांच सीटों—लातूर, रामटेक, सोलापुर, अमरावती, और शिर्डी—पर महा विकास आघाड़ी (MVA) के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। इसमें से शिर्डी पर शिवसेना (UBT) ने जीत दर्ज की, जबकि अन्य चार सीटों पर कांग्रेस का कब्जा रहा। इसका मतलब यह है कि दलित वोट बैंक में बदलाव आया है। लोकसभा चुनाव के नतीजों से स्पष्ट होता है कि 29 अनुसूचित जाति (SC) आरक्षित विधानसभा सीटों में से 21 पर MVA को बढ़त मिली, जबकि महायुति को 8 सीटों पर बढ़त मिली। इसके अलावा, MVA ने उन 88 विधानसभा क्षेत्रों में से 51 में बढ़त बनाई, जहां दलितों की संख्या 15% से अधिक है। यह आंकड़े बताते हैं कि दलित वोटरों का रुख पूरी तरह से बदल चुका है। प्रकाश आंबेडकर की पार्टी वंचित बहुजन आघाड़ी (VBA) भी लोकसभा चुनाव में शामिल हुई थी, लेकिन वह कोई सीट नहीं जीत सकी। संभवत : इसका कारण यह था कि दलितों ने महसूस किया कि आंबेडकर बीजेपी को लाभ पहुंचा रहे हैं, जिससे उन्होंने उनका साथ नहीं दिया। इस प्रकार, यह साफ है कि दलितों के बीच एक नया राजनीतिक समीकरण बन रहा है, जो आगामी विधानसभा चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

दलितों में गुस्सा क्यों?

यह सच है कि बीजेपी द्वारा 'संविधान खतरे में' और 'आरक्षण खत्म' जैसे कथित नारों के प्रचार के बावजूद, दलितों, विशेष रूप से बौद्धों, के बीच यह विचार फैल रहा है कि बीजेपी अपने राजनीतिक लाभ के लिए दलित समुदाय में फूट डालने का काम कर रही है। महाराष्ट्र में दलितों की 59 से अधिक जातियां हैं, जिनमें से महार, जो कि बौद्ध या नव-बौद्ध हैं, की संख्या सबसे अधिक है। नव-बौद्ध (महार) दलित जनसंख्या का लगभग 40% हैं और वे अंबेडकरवादी आंदोलन के अनुयायी हैं, जिसका मुख्य फोकस सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण है। बीजेपी का यह प्रयास कि दलितों को मातंग और बौद्धों में विभाजित किया जाए, दलित समुदाय में चिंता पैदा कर रहा है, जिससे उनके आरक्षण और सामाजिक अधिकारों को खतरा महसूस हो रहा है। यह धारणा दलितों के बीच तेजी से फैल रही है कि उनकी एकता को तोड़ने की कोशिशें हो रही हैं, और इससे दलित वोटर्स का रुख आगामी चुनावों में बदल सकता है। इस राजनीतिक संदर्भ में, दलितों की आवाज़ और एकता महत्वपूर्ण हो गई है, और यह देखना होगा कि ये मुद्दे महाराष्ट्र की सियासत में कैसे खेलेंगे।